तापमान
अधिकतम 33.9 डिग्री
न्यूनतम 25.8 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, सोमवार 22 जुलाई 2024

10 कांग्रेस विधायक दल की बैठक में बनी रणनीति

12 दिव्यांगों के लिए 23 सरकारी भवनों में रैम्प-...

फाइलों को नहीं मिला आयुष्मान भवः का आशीर्वाद, जो दस्तावेज थे मरीजों के रक्षाकवच, वह अब कंडम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

स्वास्थ्य सहायता संबंधी मामलों में विभाग तक पहुंचे दस्तावेज रद्दी हो गए। नवा रायपुर के स्वास्थ्य भवन में शिफ्टिंग के बाद इन महत्वपूर्ण दस्तावेजों को लाल-पीली गठरियों में बांधकर गलियारे में डाल दिया गया है। आयुष्मान और एनएचएम दफ्तर के बीच ये गठरियां असुरक्षित ढंग से पड़ी हुई है, जिसके गायब होने का भी खतरा है।

जानकार सूत्रों का कहना है कि पिछले दो-तीन माह से यह गठरियां इसी तरह पड़ी हुई हैं। इन दस्तावेजों की जानकारी दोनों विभागों से संबंधित स्टाफ को दी जा चुकी है, मगर उसे समेटने में दिलचस्पी नहीं दिखाई गई है, हालांकि यह बात तय है कि संबंधित दस्तावेज किसी एक विभाग से संबंधित हैं। आठ से दस साल पुराने वर्ष का उल्लेख और नस्ती का उल्लेख इन गठरियों पर किया गया है। इसे देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि फाइलें स्वास्थ्य सहायता से संबंधित प्रकरणों की हो सकती हैं। कुछ माह पहले आयुष्मान स्वास्थ्य योजना की नोडल एजेंसी का कार्यालय पुराने चिकित्सा शिक्षा संचालनालय के भवन में संचालित होता था। उसकी शिफ्टिंग नवा रायपुर में स्वास्थ्य से संबंधित तमाम विभागों को एक ही स्थान पर लाने के लिए बनाए गए स्वास्थ्य भवन में की गई थी। कार्यालयीन स्टाफ के साथ वहां के दस्तावेजों को भी नवा रायपुर ले जाया गया था। गलियारों में बड़े इन दस्तावेजों के आयुष्मान स्वास्थ्य योजना का संचालन करने वाली नोडल एजेंसी से होने की संभावना काफी अधिक है। लाल-पीली गठरियों में बंधे इन दस्तावेजों में अस्पतालों के क्लेम सहित अन्य कामों के दस्तावेज होने के आसार ज्यादा हैं।

आयुष्मान और एनएचएम दफ्तर के बीच असुरक्षित ढंग से रखे गए

असुरक्षित रखे गए

सूत्रों के अनुसार, जो दस्तावेज बाहर पड़े हुए हैं, उनकी सुरक्षा के लिए किसी तरह का उपाय नहीं किया गया है। आने-जाने वाला कोई भी अंजान शख्स उसमें से किसी भी फाइल अथवा दस्तावेजों को आसानी से गायब कर सकता है।

जगह की कमी नहीं..

नवा रायपुर के स्वास्थ्य भवन का निर्माण विभिन्न विभागों की आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त स्थान को ध्यान में रखकर किया गया है। इन फाइलों को गलियारों में खुले में रखने की वजह जगह की कमी कतई नहीं हो सकती।

खबर संक्षेप

पेड़ गिरने से स्कूटी चालक घायल

रायपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में बारिश के चलते पेड़ गिरने से एक स्कूटी चालक को चोटें आई हैं। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, महिला थाना के पास शनिवार देर रात बारिश होने की वजह से एक पेड़ जड़ सहित उखड़कर बीच सड़क पर गिर गया। पेड़ गिरने से एक पिकअप वाहन तथा दो स्कूटी दब गईं। रास्ते से गुजर रहे एक स्कूटी सवार को चोटें आई हैं। नगर निगम कर्मी रविवार सुबह 11 बजे तक पेड़ को हटा नहीं पाए, जिसके चलते आने-जाने वालों के परेशानी का सामना करना पड़ा।

घर बंटवारा विवाद पर मारपीट

रायपुर। पंडरी इलाके में घर के बंटवारे के विवाद पर रिश्तेदार आपस में लड़ पड़े और मामला पुलिस थाने तक पहुंच गया। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। बताया जाता है कि रत्नावती सोना की शिकायत पर पर बेटी बबीता बाघ और दामाद गगन के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। वहीं बबीता की शिकायत भाई दूरजे सोना और उसकी पत्नी मीना सोना के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

गैंगस्टर अमन ने हरियाणा के गिरोह को सौंपा था शूटआउट का जिम्मा, छह धरे गए, शूटर अभी गायब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कारोबारी की कार पर फायरिंग कर शहर को दहलाने वाले शूटर्स के करीब पहुंच चुकी पुलिस ने इस मामले में अभी छह साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया है। हरियाणा और झारखंड से इन सभी को पकड़ा गया है। पुलिस ने मास्टर माइंड अमनदीप बाल्मीकि की गिरफ्तारी का दावा किया है। मास्टर माइंड हरियाणा का रहने वाला है। अमनदीप ने गैंगस्टर अमन साव के इशारे पर घटना को अंजाम दिया है।

■ घटना के मास्टर माइंड अमनदीप को पुलिस ने सिरसा से गिरफ्तार किया

मामले का खुलासा करते हुए एएसपी सिटी लखन पटले, ▶▶|शेष पेज 11 पर

एक-दूसरे से रायपुर में हुई पहचान

पुलिस के अनुसार, घटना को अंजाम देने के पहले बदमाश एक-दूसरे को नहीं पहचानते थे। उनकी पहचान रायपुर में ही हुई। बाइक उपलब्ध कराने वाले शाहिद की पहचान शूटरों से रायपुर ▶▶|शेष पेज 11 पर

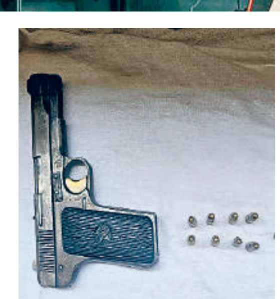

चार राज्यों में सक्रिय वसूली गैंग

पुलिस के दावे के मुताबिक, राजधानी में जिस गैंग के बदमाशों ने शूटआउट की घटना को अंजाम दिया है, वह वेल आर्गेनाइज्ड गैंग है। अमन साव का यह गैंग राजस्थान, हरियाणा, झारखंड तथा पंजाब में संचालित है।

शूटर तीन दिन पहले पहुंचे यहां

पुलिस के अनुसार, कार पर शूटआउट को अंजाम देने वाले शूटर घटना के तीन दिन पूर्व रायपुर पहुंच गए थे। जहां उन्होंने घटनास्थल की रेकी की, उसके बाद ही वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद बदमाश किस रास्ते से भागे, इसका खुलासा फरार बदमाशों के पकड़े जाने के बाद होगा। पुलिस के अनुसार, गैंग की कार्यप्रणाली को देखते ▶▶|शेष पेज 11 पर

शूटआउट करने वाले बदमाशों की पहचान

पुलिस ने जिन बदमाशों को गिरफ्तार किया है, उनमें बाइक चोरी करने वाला रांची निवासी शाहिद, शूटरों तक बाइक पहुंचाने वाला एक अन्य आरोपी तथा बदमाशों तक पिस्टल पहुंचाने वाले संदीप यादव को पुलिस तीन दिन पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने मास्टर माइंड तथा दो अन्य बदमाशों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने बदमाशों की पहचान करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार, हरियाणा के गैंगस्टर अमनदीप का झारखंड जेल में बंद अमन ▶▶|शेष पेज 11 पर

डरा-धमकाकर वसूली रकम

जालसाज दुल्हन पर वसूली और ठगी का केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कोतवाली थाने में एक कारोबारी ने अपनी पत्नी के खिलाफ तलाकशुदा महिला होने का झांसा देकर शादी करने का आरोप लगाया है। साथ ही परिजनों के साथ विवाद और जबरन वसूली करने तथा झूठे केस में फंसाने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर महिला के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

■ तलाकशुदा होने का झांसा देकर शादी की

पुलिस के मुताबिक, प्रकाश अग्रवाल की शिकायत पर पूजा गुप्ता, उसकी बहन ज्योति तथा कविता के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। प्रकाश ने पुलिस को बताया कि जीवनसाथी डॉट कॉम के ▶▶|शेष पेज 11 पर

बगैर तलाक लिए तीसरी शादी

पत्नी की प्रताड़ना से तंग होकर प्रकाश ने कोर्ट में तलाक की अर्जी लगाई। इसकी जानकारी मिलने के बाद पूजा ने प्रकाश तथा उसकी मां के खिलाफ कोर्ट में घरेलू हिंसा तथा दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया। साथ ही प्रकाश, उसके भाई के खिलाफ अपनी बेटी के साथ यौन प्रताड़ना की थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद प्रकाश ने अपनी पत्नी की जानकारी जुटाई तो उसे पता चला कि पूजा ने अपने पहले पति से तलाक लेने के बाद पंजाब में दूसरी शादी की थी।

राज्य में करीब 20 लाख आयकर दाता

सप्ताहभर में आईटी रिटर्न दाखिल नहीं किया तो 5 हजार रुपए तक लगेगी पेनाल्टी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आयकर रिटर्न दाखिल करने महज एक सप्ताह शेष है। राज्य में करीब 20 लाख टैक्सपेयर हैं। राज्य में जितने टैक्सपेयर हैं, उनमें से नौकरीपेशा तथा बड़े कारोबारी समूह को छोड़ शेष टैक्सपेयर के एक बड़े वर्ग ने आईटी रिटर्न दाखिल नहीं किया है। तय समय में रिटर्न दाखिल नहीं करने वालों को अधिकतम पांच हजार रुपए जुर्माने के साथ आईटी रिटर्न दाखिल करना पड़ेगा। इसके बाद तय समय में रिटर्न दाखिल नहीं कर पाने वालों को 31 दिसंबर तक रिटर्न दाखिल करने पर बी-लेटेड टैक्स की राशि पर एक प्रतिशत जुर्माना देना पड़ेगा।

आर्थिक मामलों के जानकार तथा सीए एसोसिएशन के पूर्व चेयरमैन अमित चिमनानी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 के लिए देर से रिटर्न ▶▶|शेष पेज 11 पर

टैक्सेबल इनकम पर भी देना होगा ब्याज

टैक्सपेयर तय समय के बाद बी-लेटेड आईटीआर फाइल करते हैं तो जुर्माने के साथ टैक्सेबल आय पर भी ब्याज देना होगा। टैक्सेबल अमाउंट पर हर महीने एक फीसदी का ब्याज लगता है। इस ब्याज का कैल्कुलेशन 1 अप्रैल से शुरू होता है और तब तक लगता है, जब तक टैक्सपेयर आईटीआर फाइल नहीं कर देता।

जिले में सामान्य से 22 फीसदी कम वर्षा

रुक-रुककर बरसे बादल, माना में सर्वाधिक 62 मिमी. तक बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कम अवदाब वाले क्षेत्र के प्रभाव से शहर में पिछले चौबीस घंटे से रुक-रुककर बारिश होती रही। माना में बादल सर्वाधिक रूप से 62 मिमी. तक बरस गए और शहर में इसका असर 44 मिमी. रहा। अगले चौबीस घंटे में यहां हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना बनी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, रायपुर जिले में 299.8 मिमी. बारिश हुई, जो सामान्य 22 प्रतिशत कम है। अगले तीन-चार दिनों में अगर ठीक-ठाक बारिश हो जाती है तो जिला सामान्य की श्रेणी में आ जाएगा। पिछले चौबीस घंटे से शहर में हो रही वर्षा ने उमस से थोड़ी राहत दिलाई है।

■ शहर में 44 मिमी. वर्षा, दिनभर छाए रहे बादल

खारुन में प्राकृतिक बहाव से पहुंचने लगा पानी

बारिश में निगम का एनीकट ओवरफ्लो, पानी चार इंच ऊपर, मटमैलापन 30 पीपीएम बढ़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

राजधानी की लाइफलाइन कही जाने वाले खारुन नदी में प्राकृतिक बहाव का पानी अब पहुंचने लगा है। इससे निगम का एनीकट रविवार को 4 इंच ऊपर तक ओवरफ्लो होकर बहता रहा। बारिश शुरू होते ही पानी में मटमैलेपन की मात्रा बढ़ गई है। पानी की टर्बिलिटी सामान्य दिनों में 6 पीपीपीएम होती थी, वह बढ़कर 35 पीपीपीएम तक जा पहुंची है। जल विभाग के अधिकारियों का कहना है, आने वाले दिनों में यह टर्बिलिटी 90 से 100 पीपीएम तक जा सकती है। ऐसे में फिल्टर प्लांट से पानी को शुद्ध करने एलम का डोज बढ़ाया जाएगा।

बरसात में एलम की खपत 4 गुना

फिल्टर प्लांट के प्रभारी अधिकारी नरसिंग फरेंद्र का कहना है कि सामान्य दिनों में पानी की अशुद्धि दूर करने प्रतिदिन 200 से 500 किलो तक एलम की खपत होती है, पर बारिश के सीजन में इसकी मात्रा 4 गुना तक बढ़ानी पड़ती है। अभी रॉ-वाटर का मटमैलापन दूर करने 1.5 से 2 टन एलम का डोज प्रतिदिन के हिसाब से दिया जा रहा है। इसी के साथ चूना व ब्लीचिंग पावडर का डोज पानी में कलर लाने जल्द फिक्स किया जाएगा।

43 पानी टंकियों से शहर को जल आपूर्ति

नगर निगम का जल विभाग 10 जोन के 70 वार्डों में शहर के अलग-अलग इलाकों में 43 नई व पुरानी पानी टंकियों से 14 लाख आबादी को पेयजल की आपूर्ति करता है। मानसूनी सीजन में इस बार प्राकृतिक स्त्रोतों से मिलने वाला पानी पखवाड़ेभर की देरी से मिलना शुरू हुआ है। पहले जून से सितंबर माह तक नगर निगम को शहरवासियों के लिए खारुन नदी के प्राकृतिक स्त्रोतों से भरपूर पानी मिलता था। इसी कारण सिंचाई विभाग से गंगरेल का पानी खरीदने केवल 8 माह की जरूरत के हिसाब से एग्रीमेंट ▶▶|शेष पेज 11 पर

खबर संक्षेप

मरीन ड्राइव में दबिश फूड स्टॉल पर जुर्माना

रायपुर। नगर निगम अमले ने रविवार रात तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राइव के पास खाद्य दुकानों में गंदगी की शिकायत मिलने पर औचक निरीक्षण किया।.इस दौरान स्थल पर खाद्य दुकानों के किचन में गंदगी, दुकान में सफाई का अभाव पाए जाने संबंधित शिकायत सही पाई गई। निगम अमले ने मोमोस अड्डा संचालक पर 30 हजार रुपए, किचन में गंदगी, डिस्पोजल, अपशिष्ट खाद्य सामग्री मिलने पर सीप एंड बाइट के संचालक पर 30 हजार रुपये, संपूर्ण दस्तावेज नहीं मिलने पर मद्रासी ग्रिल के संचालक पर 25 हजार रुपए जुर्माना किया। सम्पूर्ण दस्तावेज नहीं मिलने और भारी गंदगी मिलने पर डोसा जंक्शन के संचालक पर 15 हजार रुपए, क्रीम एंड स्टोन के संचालक पर अपशिष्ट खाद्य सामग्री मिलने पर 3 हजार रुपए, लिट्टी चोखा और डेली स्पेशल नाम से सड़क पर कब्जा जमाकर अवैध रूप से व्यवसायरत दो ठेला संचालकों पर 5-5 हजार रुपए जुर्माना किया।

सूने मकान में धावा मोबाइल-एलईडी पार

रायपुर। आमानाका थाने में एक व्यक्ति ने अज्ञात के खिलाफ अपने सूने मकान से नकदी 15 हजार रुपए, मोबाइल समेत एलईडी टीवी चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, सर्वोदय कॉलोनी निवासी जाबिर खान ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है।

कार चोरी, दो गिरफ्तार

रायपुर। आंबेडकर अस्पताल में अपनी बीमार बहन को देखने गए शाहिद खान की कार को चोरी करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसमें गुरप्रीत सिंह बसना थाना के गड़ फुलझर का रहने वाला है। वहीं दूसरा आरोपी ललित यादव दलदल सिवनी पंडरी का रहवासी है और पुराना चाकूबाज है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फूटेज खंगाले तो आरोपी का हुलिया सामने आया।

विधानसभा की 19 बैठकों में सबसे मुखर रहे भाजपाई, पूछे थे सबसे अधिक सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को बने अभी छह महीने ही हुए हैं। इस बीच राज्य विधानसभा का सबसे लंबा बजट सत्र हुआ था। इस सत्र के दौरान विधानसभा की 19 बैठकें हुई थी। खास बात ये है कि इन बैठकों में विधायकों ने 2 हजार 694 सवाल लगाए थे। विधानसभा में सवाल लगाने का काम सत्ता और विपक्ष के सदस्य करते हैं, लेकिन इस मामले में सत्तापक्ष यानी भाजपा के विधायक सबसे अधिक मुखर रहे। भाजपा के विधायकों ने सबसे अधिक सवाल लगाए थे। इस बार मानसून सत्र में पांच बैठकें होंगी, जिसके लिए 900 से ज्यादा सवाल लगाए गए हैं।

एक दिन की बैठक के लिए किसी भी विधायक के अधिकतम चार सवाल ही लिए जाते हैं

इन्हें सवाल लगाने की अनुमति

विधानसभा की नियमावली के मुताबिक, विधानसभा में विधानसभाध्यक्ष, विधानसभा उपाध्यक्ष, मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, सभी मंत्री और संसदीय सचिवों को सवाल लगाने की अनुमति ही नहीं है। राज्य विधानसभा में अभी उपाध्यक्ष और ससंदीय सचिव नहीं बनाए गए हैं। 22 जुलाई से शुरू हो रहे विधानसभा के पांच दिवसीय सत्र के लिए सत्ता-विपक्ष के विधायकों ने 966 सवाल लगाए हैं।

सबसे अधिक 76 प्रश्न भाजपा विधायकों के

विधानसभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियम के मुताबिक, किसी एक दिन की बैठक के लिए एक विधायक के अधिकतम चार सवाल ही लिए जाते हैं। विधायक जो सवाल लगाते हैं, उसकी जांच करने के बाद विधानसभाध्यक्ष सवाल लगाने की मंजूरी देते हैं। इस पूरी प्रक्रिया के बीच भाजपा के कई विधायक ऐसे हैं, जिन्होंने सबसे अधिक 76 सवाल लगाए थे। इतनी संख्या में सवाल लगाने वाले विधायक रहे- पुन्नूलाल मोहले, धर्मजीत सिंह, धरमलाल कौशिक, अजय चंद्राकर, सुशांत शुक्ला, बालेश्वर साहू, भावना बोहरा। वहीं मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के भी कुछ सदस्य सवाल के मामले में भाजपा विधायकों को टक्कर देते रहे। इन कांग्रेस विधायकों ने भी 76 सवाल लगाए थे। इनमें अंबिका मरकाम, हर्षिता स्वामी बघेल, भोलाराम साहू शामिल हैं।

इन विधायकों ने नहीं उठाया कोई सवाल

दोनों दलों के कई विधायक ऐसे भी हैं, जिन्होंने सवाल लगाने में कोई खास रुचि नहीं ली थी। कुछ विधायकों ने तो एक भी सवाल विधानसभा में नहीं उठाया। ऐसे विधायकों में भाजपा की रेणुका सिंह, भईयालाल राजवाड़े, भूलन सिंह मरावी, अमर अग्रवाल, डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, ईश्वर साहू, विक्रम उसेंडी, नीलकंठ टेकाम, विनायक गोयल शामिल हैं। कोई सवाल न लगाने के मामले में कांग्रेस के विधायक भी भाजपा विधायकों के टक्कर दे रहे हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, देवेंद्र यादव शामिल हैं।

18 सूत्रीय मांगों को लेकर कर्मचारी लामबंद

संविदा स्वास्थ्य कर्मियों का धरना आज से, डीए-बीएड प्रशिक्षित करेंगे विस घेराव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नियमितीकरण, लंबित 18 फीसदी वेतनवृद्धि, ग्रेड पे निर्धारण, वेतन विसंगति दूर करने सहित 18 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशभर के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी 22 और 23 जुलाई को आंदोलन करेंगे। वहीं तूता के धरनास्थल से छत्तीसगढ़ डी ए ड - बी ए ड प्रशिक्षित 22 जुलाई को ही दोपहर 2 बजे विधानसभा घेराव के लिए निकलेंगे। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी धरनास्थल पर प्रदेश स्तरीय धरना-प्रदर्शन में ध्यानाकर्षण कराने जुटेंगे।

- नवा रायपुर के तूता धरनास्थल पर करेंगे प्रदर्शन

इस दिन 33 जिलों के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के स्वास्थ्य संविदा कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर शासन को ज्ञापन सौंपेंगे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा कर्मचारी 22 जुलाई को नवा रायपुर के तूता धरनास्थल पर दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय धरना-प्रदर्शन के लिए रायपुर पहुंचेंगे। 18 सूत्रीय मांगों को लेकर लामबंद 15 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी मुख्यमंत्री से लेकर विधानसभा अध्यक्ष, उप मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, वित्त मंत्री सहित सांसदों और विधायकों से मिलकर ज्ञापन दे चुके हैं, पर उनकी मांगें अब तक पूरी नहीं हुई हैं। ऐसे में अब एकजुट संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी 2 दिन के ध्यानाकर्षण प्रदर्शन के लिए धरनास्थल पर जुटेंगे।

प्रमुख मांगें

- नियमितीकरण, लंबित 27 फीसदी वेतनवृद्धि
- ग्रेड-पे का निर्धारण
- वेतन विसंगति दूर हो
- सीआर व्यवस्था में सुधार की मांग
- अनुकंपा नियुक्ति और अनुदान की राशि में वृद्धि
- सेवा पुस्तिका संधारण, तबादला व्यवस्था में नियमितता की मांग

विस घेराव, धरनास्थल से निकालेंगे रैली

प्रदेशभर के डीएड-बीएड प्रशिक्षित 22 जुलाई को नवा रायपुर के तूता स्थित धरनास्थल में 33 हजार शिक्षकों की भर्ती की मांग और आरक्षित वर्ग को पांच फीसदी छूट की मांग को लेकर धरना देंगे। दोपहर 2 बजे से विधानसभा घेराव के लिए डीएड-बीएड प्रशिक्षित रैली निकालेंगे। संघ के प्रदेश अध्यक्ष दाऊद खान ने कहा है, बजट के दौरान विभागीय मंत्री ने प्रदेश में 33 हजार शिक्षकों की भर्ती करने की घोषणा की थी, लेकिन आज तक उन पदों पर वित्तीय स्वीकृति नहीं मिली है। इन पदों पर जल्द भर्ती करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया जाएगा।

विधानसभा घेराव-प्रदर्शन से निपटने पुलिस ने कसी कमर

विधानसभा का मानसून सत्र आज से शुरू होने जा रहा है। सत्र सोमवार से शुक्रवार पांच दिनों तक चलेगा। इस दौरान अलग-अलग राजनीतिक दलों के साथ ही कई संगठनों ने विधानसभा घेराव तथा धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी है। विधानसभा घेराव तथा धरना-प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने भी सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए हैं। सत्र के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने आईजी अमरेश मिश्रा के निर्देश पर पर्याप्त सुरक्षा बल लगाया गया है। एसएसपी संतोष सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था की जायजा लिया। एसएसपी ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के साथ ही पुलिस अफसरों तथा जवानों की ब्रीफिंग की है। एसएसपी की ब्रीफिंग के बाद जवानों ने शनिवार को विधानसभा के अलावा शहर के कई इलाकों में पेट्रोलिंग की।

सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ ने किया समर्थन

स्वास्थ्य संविदा कर्मचारियों के आंदोलन को छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ ने समर्थन दिया है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष कौशलेश तिवारी के अनुसार, विगत वर्षभर से 27 फीसदी वेतनवृद्धि को शासन-प्रशासन ने अटका रखा है। ऐसे में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों के इस आंदोलन से आम जनता को होने वाली परेशानी के लिए शासन स्वयं जिम्मेदार है। श्री तिवारी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वित्त मंत्री ओपी चौधरी से इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए अविलंब घोषित वेतनवृद्धि को पूरा करने अनुरोध किया है।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक में बनी रणनीति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

विधानसभा के मानसून सत्र की रणनीति बनाने कांग्रेस विधायक दल की बैठक में राज्य सरकार को घेरने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। विधानसभा के पांच दिवसीय सत्र में कांग्रेस प्रतिदिन एक स्थगन प्रस्ताव लाएगी। होटल सेलिब्रेशन में हुई विधायक दल की बैठक में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने विधायकों को सत्र के दौरान आक्रामक रणनीति अपनाने पर जोर दिया। राज्य सरकार के खिलाफ लगाए गए सवालों और मुद्दों को प्रमुखता से उठाने पर जोर दिया गया।

- कांग्रेस विधायक अपनाएंगे आक्रामक रणनीति, सत्र में पूरे समय रहने के निर्देश

अन्य मामलों पर भी चर्चा

सत्र के दौरान उठाए जाने वाले अन्य मामलों को लेकर भी काफी देर तक चर्चा की गई। बताया गया है कि फर्जी नक्सली मुठभेड़, हसदेव अरण्य में वनों की अवैध कटाई, महिलाओं की जॉब के नाम पर अन्य प्रांतों में तस्करी, आदिवासी क्षेत्रों में चना वितरण में अनियमितता, प्रदेश के अस्पतालों में पैथालॉजी लैब का बंद होना। राज्य वन अनुसंधान परिसर में चंदन के पेड़ों की कटाई जैसे मामलों को भी प्रमुखता से पार्टी उठाएगी। वहीं पंचायतों में निर्माण कार्यों के भुगतान पर रोक, अरपा भैंसाझार परियोजना में अनियमित भुगतान का मामला भी जोर-शोर से उठाया जाएगा। कोरबा में राखड़ बांध फूटने की घटना को लेकर भी चर्चा की गई। इसके अलावा महतारी वंदन योजना, गुढ़ियारी विद्युत डिपो में आगजनी का मामला उठाया जाएगा।

सभी विधायक रहें मौजूद

कांग्रेस विधायक दल की बैठक में कांग्रेस के सभी विधायक मौजूद थे। सत्र के एक दिन पहले हुई बैठक में कहा गया कि सत्र के दौरान पूरे समय सदन में मौजूद रहें। अपने सवालों को पूरी तरह तैयार कर सदन में उठाएं।

चकल्लस

पलटीकरण

राज्य में सरकार बदलने के बाद अक्सर देखा गया है कि पिछली सरकार के बहुत से निर्णयों को नई सरकार बदल देती है। छत्तीसगढ़ में भी यही हो रहा है। हाल ही में जमीन संबंधी मामलों के लेकर जारी चार महत्वपूर्ण निर्देशों को निरस्त किया गया है। इससे पहले भी कुछ पुराने निर्णय बदले गए हैं, ये प्रक्रिया जारी है। इसी बीच ये भी पिछली सरकार के कई कमाई वाले कामों पर भी तालेबंदी हो गई। इससे कमाई विभाग के अफसर-कर्मी बेचैन हैं। दरअसल इस विभाग के लोगों के लिए डेढ़ दर्जन नाके लगाए गए हैं, जहां 24 घंटे धनवर्षक वाहनों की आवाजाही होती रहती है। पड़ोसी राज्य मप्र में इसी तरह की वसूली पर नाकेबंदी हो गई है। कहीं...यहां भी बंद न जाएं।

क्षमतावान प्रत्याशी की तलाश

छत्तीसगढ़ में बार-बार हो रही चुनावी हार से कांग्रेस पार्टी परेशान हो गई है। हालत ये है कि पार्टी को प्रत्याशी तलाश करने में भारी दिक्कत हो रही है। ये अलग बात है कि दावदारों की संख्या में कोई कमी नहीं है, लेकिन सवाल ये है कि उनमें से किसे चुना जाए? पहले कांग्रेस कहा करती थी कि जीतने की क्षमता रखते वाले को टिकट दिया जाएगा, लेकिन अब नीति बदली है। अब ये कहा जाता है कि चुनाव लड़ने की क्षमता रखने वाले को टिकट दिया जाएगा। क्षमता की पहचान का पैमाना ये है कि प्रत्याशी चुनाव में कितने पैसे खर्च कर सकता है। जल्द होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए भी क्षमतावान की तलाश की जा रही है।

डर ने बढ़ाई सक्रियता

छत्तीसगढ़ में हुए चुनाव के परिणाम के बाद कांग्रेस के नेता बड़े संशकित हैं। उनको यह उम्मीद ही नहीं थी कि सबसे अधिक सीटें पाने के बाद इस चुनाव में बुरी तरह पिछड़ जाएंगे। सत्ता जाने के बाद संगठन में बैठे बड़े पदाधिकारियों को इस बात का डर है कि हार का ठीकरा उन पर फूटा तो गए काम से। पिछले दिनों ऐसा ही ह्यूमर उड़ा कि नेताजी की नींद उड़ गई। उन्होंने अपने शुभचिंतकों को लगाया और सच्चाई जानने के बाद ही उनकी जान में जान आई। फिर भी सांसें अभी हलक में अटकी हुई हैं। अब वे संगठन की गतिविधियों को तेजी से बढ़ाने प्रदेशभर में सक्रियता दिखा रहे हैं। अगर उनकी कोशिश ठीक रही और निकाय चुनाव में पार्टी को जीत दिला पाए तो चल निकलेंगे।

मिशन पर चला कमीशन

प्रदेश में कई तरह के मिशन पर काम पिछले सरकार के दौरान चला। मिशन के कमीशन के तौर पर कई अफसर तर गए। अब ऐसे कार्यों की समीक्षा करने के बाद यह अनुमान लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आखिर मिशन अब तक पूरा क्यों नहीं हुआ? ऐसा ही जल जीवन मिशन का कार्य रहा, जो लगभग सभी जिलों पूरा नहीं हो पाया। जिलों में ठेकेदारों ने टंकी खड़ी कर दी, पर पाइपलाइन नहीं, जहां दोनों काम पूरे हो गए, वहां पर टंकी ही लीकेज है। अब नई सरकार को समझ में आ रहा है कि जो मिशन पूरा करना था, उसे पूरा करने नए सिरे से कमीशन तय करना होगा।

नजर से कमजोर...

मवेशियों की धरपकड़ कराने वाले साहब की नजर को लेकर बहस छिड़ गई। एक ने कहा, सड़क पर मवेशी सबको दिखते हैं, पर साहब रोज उसी रास्ते से आते-जाते हैं, उन्हें ये नजर नहीं आता। दूसरे ने कमेंट पास किया, दिखता तो है पर आंख और कान बंद रखकर चल रहे हैं। तीसरे ने सजेशन दिया कि बड़े साहब को चाहिए कि छुट्टा घूमने वाले सांड, मवेशी की सूचना देने वालों को ईनाम देने का ऐलान बस कर दें। हर गली, मोहल्ले और सड़क से इतने वीडियो पहुंचेंगे कि उनका खाना-पीना हराम हो जाएगा। नजर में चमक आ जाएगी, सो अलग।

बैक टू रिटर्न ...

कार्पोरेशन की नौकरी का भी अजब सिस्टम है कि सालों तक कुर्सी से चिपके रहने वाले रिटायरमेंट से पहले कहते फिरते हैं कि बहुत हो गया, अब नौकरी करने में मजा नहीं रहा। जैसे-तैसे दिन कट जाएं, यही बहुत है। फिर रिटायरमेंट के समय पता चलता है कि संविदा पाने नेताजी के दरबार उसने अर्जी भी लगा रखी है, यानी बैक टू रिटर्न एंट्री के लिए सेटिंग चलती है। खबरीलाल को पता चला कि बाबू से लेकर अर्दली, इंजीनियर से लेकर बड़े साहब तक इसी पैटर्न को फॉलो कर रहे हैं।

भारी न पड़ जाए प्रमोशन

सालों से एक ही चिकित्सा महाविद्यालय में जमे रहकर कई प्रमोशन लेना डॉक्टरों को भारी पड़ने वाला है। कई लिहाज से सुरक्षित माने जाने वाले मेडिकल कॉलेजों के प्रति डाक्टरों का मोह दूरस्थ इलाकों के कॉलेजों के लिए संकट का कारण बना हुआ है। चिकित्सा शिक्षकों की कमी का लगातार हल्ला मचने के बाद ऐसे डॉक्टरों की सूची तैयार की गई है, जो राजधानी सहित अन्य प्रमुख कॉलेजों में मठाधीश के रूप में जमे हुए हैं। आने वाले दिनों में अगर हो-हल्ले का असर होता है तो ऐसे डॉक्टरों का टिकट दूसरे जिलों के मेडिकल कॉलेज जाने के लिए कट सकता है।

नंबर बढ़ाने का चक्कर

त्योहार नजदीक आते ही खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर ध्यान देने वाले खाद्य एवं औषधि प्रशासन का अमला पिछले कुछ समय से ऑफ सीजन में भी सक्रिय हो गया है। गरीबों के ठेले-खोमचे के साथ रईसों के आलीशान होटल और रेस्तरां भी निशाने पर आ गए हैं। टीम के सभी सदस्य इस बार एक्स्ट्रा परफार्मेंस दिखा रहे हैं, जिसे लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। विभाग के नाखुश सूत्रों का कहना है कि टीम की सक्रियता बड़े साहब के सामने नंबर बढ़ाने का चक्कर है, क्योंकि वे घटिया खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए काफी गंभीर हैं।

ट्रांसफर की बारिश

सरकारी विभागों में ट्रांसफर होना आम बात है, लेकिन एक सप्ताह के भीतर किसी का तीन-तीन बार ट्रांसफर हो जाए तो इसे क्या कहेंगे। ऐसा ही कुछ वाक्या रायपुर पुलिस विभाग में सामने आया है। पिछले दिनों कप्तान साहब ने निचले स्तर के पुलिसकर्मियों का तबादला आदेश जारी किया। इनमें दो पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण एसीसीयू से थानों में किया गया। थाने में तबादला होने के बाद पुलिसकर्मी ने जुगाड़ कर अपना स्थानांतरण पुनः एसीसीयू में करा लिया। इसी बीच शहर में कानून व्यवस्था को लेकर गृहमंत्री से सांसद, विधायक तक की पुलिस अफसरों के साथ बैठक हुई। बैठक के बाद लंबे समय से थानों में जमे पुलिसकर्मियों का तबादला आदेश जारी किया गया। नए तबादला आदेश में दोनों पुलिसकर्मियों को पुलिस लाइन में अटैच कर दिया गया।

ये भी ठीक है...

नई सरकार आने के बाद पुरानी योजनाओं को खास तरजीह नहीं दी जा रही है। इनमें से एक स्वामी आत्मानंद विद्यालय वाली योजना भी है। बीते सत्र तक इनमें दाखिले के लिए थोक में सिफारिशें आती थीं। इस वर्ष ऐसे हालात नहीं रहे हैं। जिला शिक्षा कार्यालय में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों से लेकर शाला प्राचार्य तक इससे खुश हैं। कई तो यह सोचकर खुशी मना रहे हैं कि अब बला टली। पहले की तरह स्कूलों को टिप-टॉप रखने का झंझट भी खत्म हुआ और पढ़ाई को लेकर सख्ती बरतने का प्रेशर भी खत्म। टेंशन में तो बस संविदा भर्ती वाले हैं। उन्हें समझ में नहीं आ रहा है बच्चों को पढ़ाएं या खुद किसी दूसरी प्रतियोगी परीक्षा के लिए पढ़ाई करें।

कुलपतियों का खाता

विद्यार्थियों के एक समूह ने प्रदेश के कुछ विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ना... ना... जैसा आप समझ रहे हैं, वैसा नहीं है। कुछ जगहों पर सच में गड़बड़ियां हुई हैं तो कुछ में मामले को ज्यादा ही तुल दे दिया गया है। अब ऐसा हुआ है ऊपर से आए आदेशों के अनुसार। पिछली सरकार में नियुक्त कुलपतियों में से कई का पत्ता काटने की तैयारी चल रही है। इसके लिए ही प्लेटफॉर्म तैयार हो रहा है। जो बचकर चलते आए हैं, वे बच जाएंगे... और बाकि आप समझदार हैं।

जिया कुरैशी, सुरेंद्र शुक्ला, प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा
गिरीश केशरवानी, रुचि वर्मा

नलों से 24 घंटे पानी पहुंचाने का प्रोजेक्ट लेट, चार माह और इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर स्मार्ट सिटी के एबीडी एरिया में शामिल 15 वार्डों में चौबीस घंटे पीने का साफ पानी पहुंचाने की योजना अब तक परवान नहीं चढ़ सकी है। इस प्रोजेक्ट को धरातल पर लाने में अभी 4 महीने और लगेंगे, क्योंकि गोलबाजार, जोरापारा, मोमिनपारा, हांडीपारा एरिया में अभी तक अनुबंधित एजेंसी ने पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू नहीं किया। बूढ़ापारा एरिया में पाइपलाइन बिछाने सड़क खोदी जा रही है। मोतीबाग पानी टंकी से 3 किलोमीटर के दायरे में पाइपलाइन बिछाने का काम बाकी है, जबकि गंज पानी टंकी के कमांड एरिया में 400 मीटर के पेंच पर काम होना है।

■ 50 फीसदी घरों में अब तक नहीं लगा पाए स्वचालित वाटर मीटर

राजधानी के 15 चुनिंदा वार्डों के 2 लाख 40 हजार घरों में 24 घंटा पानी पहुंचाने नई पाइपलाइन बिछाने, इंटर कनेक्शन कर नया वाटर मीटर लगाने सहित जल वितरण व्यवस्था की स्काडा सिस्टम से निगरानी करने कोल्हापुर की लक्ष्मी सिविल इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन को रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने 130 करोड़ में ठेका दिया है। इसमें 5 साल तक प्रोजेक्ट की देखरेख और संचालन अनुबंधित एजेंसी अपने खर्च पर करेगी। अनुबंधित एजेंसी 5 साल बाद भी 15 वार्डों में 24 घंटे पीने का पानी नहीं पहुंचा पाई है। काम में लेटलतीफी के चलते गोलबाजार क्षेत्र में अब तक पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू नहीं हो पाया है।

गोलबाजार, जोरापारा, मोमिनपारा, हांडीपारा में पाइपलाइन बिछानी बाकी

19 हजार घरों में इंटर कनेक्शन 10 हजार घरों में वाटर मीटर

24 बाई 7 वाटर सप्लाई के तहत रायपुर शहर में मोतीबाग और गंज पानी टंकी के कमांड एरिया से अब तक संबंधित वार्डों में 19 हजार घरों में इंटर कनेक्शन का काम पूरा कर लिया गया है। इसी तरह पानी की खपत जांचने आधुनिक स्वचालित प्रणाली से युक्त 24 हजार वाटर मीटर लगाए जाने हैं, इसमें से 10 हजार से ज्यादा घरों में वाटर मीटर लगाये जा चुके हैं। 14 हजार घरों में नए वाटर मीटर लगने बाकी हैं।

14 हजार का वाटर मीटर निशुल्क : मोतीबाग और गंज पानी टंकी से कनेक्ट 15 वार्डों में पहली बार विदेशी तकनीक से निर्मित आधुनिक स्वचालित मीटर लगाया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, एक वाटर मीटर की कीमत 14 हजार रुपए है, जिसे उपभोक्ताओं के घर अनुबंधित एजेंसी द्वारा निशुल्क लगाया जा रहा है। बाद में इसी वाटर मीटर में पानी की खपत के आधार पर जल शुल्क लिया जाएगा।

पाइपलाइन बिछाने में देर

मोतीबाग पानी टंकी से 3 किलोमीटर के दायरे में नई पाइपलाइन बिछाई जानी है, यह काम अभी शुरू नहीं हो पाया है। इसी तरह गंज पानी टंकी कमांड एरिया से 400 मीटर क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाना बाकी है।

नए मीटर पूरी तरह से स्मार्ट साबित होने पर ही कनेक्शन होंगे प्रीपेड

अब तक प्रदेश में घरेलू और गैरघरेलू उपभोक्ताओं के 16 हजार पुराने मीटर बदले जा चुके हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

प्रदेश में घरेलू उपभोक्ताओं के पुराने मीटर बदलकर स्मार्ट मीटर लगाने का काम प्रारंभ हो गया है। राजधानी रायपुर के साथ प्रदेश के सभी शहरों में हर वर्ग के उपभोक्ताओं के मीटर बदले जा रहे हैं। हालांकि सभी उपभोक्ताओं के मीटर बदलने में करीब दो साल का समय लगेगा। अभी प्रदेश में 16 हजार मीटर लगे हैं। पांच संभागों को तीन संभागों में बांटकर दो कंपनियों को ठेका दिया गया है। जब 25-25 हजार की संख्या में तीन संभागों के मीटर लग जाएंगे, और किसी भी तरह की शिकायत तथा समस्या नहीं होगी, तभी कनेक्शनों को प्रीपेड करना प्रारंभ किया जाएगा। अभी कनेक्शन फिलहाल पहले की तरह ही पोस्टपेड हैं।

रायपुर संभाग का काम टाटा कंपनी और बिलासपुर, सरगुजा के साथ दुर्ग, बस्तर और राजनांदगांव को मिलाकर बनाए गए संभाग का काम जीनस कंपनी को मिला है। दोनों कंपनियों ने तीनों संभागों में मीटर लगाने का काम प्रारंभ कर दिया है। सबसे पहले सवा लाख सरकारी दफ्तरों में मीटर लगाने का काम हो रहा है। इसी के साथ दो लाख दस हजार ट्रांसफार्मरों, छह हजार फीडरों में मीटर लगाए जा रहे हैं। रायपुर में टाटा कंपनी 17 लाख 79 हजार 363 कनेक्शन में मीटर बदलने का काम करेगी। इसी के साथ बिलासपुर-सरगुजा संभाग, बस्तर, दुर्ग और राजनांदगांव को मिलाकर बनाए गए संभाग में जीनस कंपनी मीटर लगाने का काम करेगी। यहां भी काम चल रहा है। प्रदेश में कुल मिलाकर 54 लाख उपभोक्ताओं के मीटर बदलकर स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे।

इस साल प्रीपेड होना मुश्किल

जब दोनों कंपनियों के तीन हिस्सों में किए गए टेंडर में 25-25 हजार मीटर लग जाएंगे और इनका सारा डाटा केंद्र सरकार को भी दिखने लग जाएगा तो कंपनियों को मीटर लगाने के पैसों का भुगतान होने लगेगा। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकार तय करेगी कि जो नए मीटर लगे हैं, उनको पोस्टपेड रखना है या इनको प्रीपेड करना है। पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है, अभी कनेक्शन प्रीपेड करने में समय लगेगा। पहले तो यह देखा जाएगा कि मीटर पूरी तरह से सही तरीके से काम कर रहे हैं या नहीं। सभी तरह की समस्या का समाधान होने के बाद ही प्रीपेड कनेक्शन करने पर विचार होगा। इसी के साथ आने वाले समय में नगरीय निकाय चुनाव हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि इस साल कम से कम कोई भी कनेक्शन प्रीपेड नहीं किया जाएगा।

अभी तो ठीक काम कर रहे मीटर

अभी जिन उपभोक्ताओं के घरेलू और गैरघरेलू कनेक्शन के मीटर बदले गए हैं, उनमें कई कनेक्शन में पुराने के साथ नए मीटर लगाए गए हैं, ताकि इसका परीक्षण किया जा सके कि नए मीटर ठीक काम कर रहे हैं या नहीं। प्रारंभिक परीक्षण में मीटर ठीक काम कर रहे हैं। इनमें मामूली-सा अंतर आ रहा है। इस अंतर के बारे में मीटर लगाने वाली टाटा कंपनी के साथ ही पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि पुराने मीटर में यूनिट के साथ आगे की खपत के लिए पाइंट में खपत नहीं दिखती है, लेकिन नए मीटरों में यूनिट के साथ पाइंट भी दिखता है। ऐसे में आधे से एक यूनिट के कम ज्यादा होने का अंतर अभी नजर आ रहा है, लेकिन यह अंतर तब नहीं रहता, जब दोनों मीटर का पाइंट वाला कॉलम देखा जाता है। लाखों पुराने मीटर में पाइंट वाला कॉलम है, लेकिन वह खपत के साथ दिखता नहीं है, लेकिन जो ज्यादा पुराने लाखों मीटर हैं, उनमें जरूर यह पाइंट वाला कॉलम नहीं है।

जिला कार्यसमिति में बनी नगरीय निकाय चुनाव के लिए रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति के बाद नगरीय निकाय चुनाव को लेकर जिलों की कार्यसमिति हो रही है। इसी कड़ी में रविवार को शहर जिला रायपुर की कार्यसमिति में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर मंथन कर रणनीति बनाई गई। भाजपा नेताओं ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अभी से चुनाव के लिए जुटने कहा।

मुख्य वक्ता, विधायक अजय चंद्राकर ने कहा, आप सभी रायपुर शहर जिला के कार्यकर्ताओं को एक और संकल्प लेना है कि रायपुर दक्षिण के उपचुनाव में ऐतिहासिक लीड बरकरार रखना और साथ ही निकाय चुनाव में भाजपा का परचम लहराना है। प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव द्वारा नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने और भाजपा की सरकार बनने का बधाई प्रस्ताव रखा गया। राजनीतिक प्रस्ताव जिला महामंत्री सत्यम दुवा द्वारा लाया गया, जिसमें उन्होंने प्रदेश कार्यसमिति प्रस्ताव का समर्थन किया। रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियों के संबंध में कार्यकर्ताओं से विस्तृत चर्चा करते हुए उन्हें नगरीय निकाय चुनाव में जनता के बीच कैसे जाएं और अपनी पार्टी का पक्ष किस तरह रखें, इन विषयों पर प्रकाश डाला। रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने लोकसभा चुनाव विश्लेषण पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

■ भाजपा नेताओं ने कहा- अभी से जुट जाएं, एक बार फिर कमल खिलाना है

आपके कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी : बृजमोहन

अंत में रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, आगामी दिनों में नगरीय निकाय चुनाव है और आप सभी के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है। अब जो चुनाव है, वह कार्यकर्ताओं का चुनाव है। हमें रणनीति तैयार करनी होगी।

पेज 09 के शेष ...

गैंगस्टर अमन ने ....

एएसपी क्राइम संदीप मित्तल ने बताया कि शूटआउट को अंजाम देने के आरोप में झारखंड गुमला निवासी संदीप यादव, लोहरदगा झारखंड निवासी शाहिद अंसारी, झारखंड रांची निवासी शाहिद अंसारी, हरियाणा सिरसा निवासी रवि कुमार सेन, लक्ष्मण दास बाजीगर तथा अमनदीप बाल्मीकि उर्फ अम्मू को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अमनदीप के कब्जे से एक पिस्टल तथा आठ जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। **इंटरस्टेट ऑपरेशन चलाकर दबोचे गए** : शूटआउट की घटना के तार इंटरस्टेट गैंग से जुड़ते देख रायपुर पुलिस ने इंटरस्टेट पुलिस की मदद से आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। इंटरस्टेट पुलिस की मदद के बिना आरोपियों को पकड़ना मुश्किल था। बदमाशों को अपने पकड़े जाने की आशंका होने के बाद वे लगातार लोकेशन बदल रहे थे।

एक-दूसरे से रायपुर ....

में हुई। इसके बाद एक अन्य शाहिद नाम के बदमाश ने जिस शूटर को बाइक उपलब्ध कराई थी, उसके अकाउंट में पैसा ट्रांसफर किया गया। बदमाशों को बाइक उपलब्ध कराने के बाद दो बदमाश रायपुर पहुंचे, और पिस्टल तथा कारतूस उपलब्ध कराए।

शूटर तीन दिन .....

हुए स्थानीय तथा इंटरस्टेट पुलिस ने रात में ऑपरेशन चलाकर बदमाशों को उनके ठिकानों से गिरफ्तार किया। घटना के साजिशकर्ता अमनदीप को जब अपने साथियों के पकड़े जाने की जानकारी मिली। उसके बाद से अपने पास लोडेड गन रखनी शुरू कर दी थी। उसकी योजना थी कि पकड़े जाने की स्थिति में वह पुलिस पर फायरिंग कर फरार हो जाएगा।

शूटआउट करने ....

साव के साथ काफी पुराना संपर्क है। अमन साव के कहने पर अमनदीप ने शूटआउट की घटना को अंजाम देने प्लानिंग तैयार की। साथ ही अमन साव ने अमनदीप को अपने तीन गुर्गे उपलब्ध कराए।

जालसाज दुल्हन पर ....

माध्यम से उसका संपर्क बिलासपुर निवासी पूजा से हुआ। पूजा से प्रकाश ने शादी का प्रस्ताव रखा। पूजा ने अपने आपको तलाकशुदा बताते हुए अपनी 12 साल की बेटी होने की प्रकाश को जानकारी दी। इसके बाद प्रकाश ने पूजा से वर्ष 2018 में बैजनाथपारा स्थित आर्य समाज मंदिर में शादी की। प्रकाश का आरोप है कि शादी के दूसरे दिन से ही पूजा ने उसकी मां के साथ विवाद करते हुए उन लोगों को घर से निकलने के लिए मजबूर किया। परिजनों की समझाइश के बाद पूजा ने उन्हें घर के अंदर दाखिल होने दिया। इसके एवज में पूजा ने अपने लिए एक अलग घर किराए पर लिया। साथ ही अपने बेटी की पढ़ाई के खर्च के साथ मकान किराया, स्वयं का खर्च लेने की शर्त रखी।

सप्ताहभर में आईटी रिटर्न ....

दाखिल करने पर आयकर अधिनियम की धारा 234 एफ के अनुसार पांच हजार रुपए तक जुर्माना देना पड़ सकता है। वर्ष 2021 से रिटर्न दाखिल करने में देरी करने पर जुर्माना राशि 10 हजार रुपए से घटाकर पांच हजार रुपए कर दी गई है। 31 जुलाई 2024 के बाद दाखिल रिटर्न के लिए जुर्माने की सीमा बढ़ाकर पांच हजार रुपए कर दी जाएगी, हालांकि छोटे करदाताओं को राहत देते हुए आईटी विभाग ने कहा है कि यदि आपकी कुल आय 5 लाख रुपए से अधिक नहीं है तो देरी के लिए लगाया जाने वाला अधिकतम जुर्माना केवल एक हजार रुपए होगा।

43 पानी टंकियों से ....

किया जाता था, और 4 माह मुफ्त में प्राकृतिक स्त्रोतों से रॉ-वाटर की आपूर्ति खारुन नदी के माध्यम से होती थी। फिर यह अवधि घटकर 3 माह हो गई।

बिजनेस साइट

अमर गोल्फ ग्रीन्स में शिव मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा एवं क्लब हाउस का उद्घाटन

रायपुर। एएस हाउसिंग कंपनी एवं अष्टविनायक रियल्टीज के पुराना धमतरी रोड, सेजबहार स्थित प्रोजेक्ट गोल्फ ग्रीन्स-2 में रविवार को शिव मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा एवं क्लब हाउस का उद्घाटन हुआ। अष्टविनायक रियलिटीज के डायरेक्टर संतोष लोहाना ने बताया कि गोल्फ ग्रीन्स 20 एकड़ के क्षेत्र में फैला आधुनिक सुविधाओं वाला प्रोजेक्ट है। जहां सभी प्रकार प्लाट्स उपलब्ध हैं। यहां के निवासियों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस लग्जरी क्लब हाउस, बच्चों के खेलने के लिए हरे-भरे खेल मैदान एवं भव्य मंदिर की स्थापना की गई है, जो देखते ही बनता है। यहां रायपुर शहर के मुख्य स्थलों से शानदार कनेक्टिविटी उपलब्ध है। इसके नजदीक एजुकेशन हब, मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल, इंटरस्टेट बस स्टैण्ड एवं शॉपिंग मॉल स्थित है।

आम सूचना

सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है, कि, मेरे पक्षकार मोहम्मद हलीम पिता मोहम्मद अब्दुल रऊफ निवासी वार्ड नं.-35, दुर्गा नगर, बिरगांव, थाना उरला, तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ०ग० है जो कि अपने पुत्र मोहम्मद सद्दाम एवं पुत्र वधु तबस्सुम परवीन को अपने समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति जो बिहार राज्य एवं छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिला में स्थित है, उसमें दोनों के परिवारिक एवं घरेलू विवाद के कारण अपने सभी सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है सम्पत्ति से बेदखल किये जाने की सूचना पंजीकृत डाक के माध्यम से दिया जा चुका है।

अतः मेरे पक्षकार के द्वारा अपने पुत्र मोहम्मद सद्दाम एवं पुत्र वधु तबस्सुम परवीन को अपने समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से हमेशा-हमेशा के लिये बेदखल कर दिया है बेदखल पश्चात कोई भी व्यक्ति, संस्था, साहूकार, बैंक या शासकीय एवं अर्द्धशासकीय संस्था, निगम, निकाय, आदि के द्वारा कोई भी लेन-देन या संव्यवहार रखता है तो उसकी सम्पूर्ण जवाबदारी एवं जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी। मेरे पक्षकार के चल एवं अचल सम्पत्ति पर कोई भी कर्ज/ उधार या बैंक से कर्ज प्राप्त करता है या प्रदान करता है तो उसका जिम्मेदार स्वयं होंगे। तथा मोहम्मद सद्दाम के द्वारा यदि दूसरा निकाह करता है, तो उसकी जिम्मेदार तबस्सुम परवीन एवं उनके माता-पिता व भाई एवं मोहम्मद सद्दाम की होगी। एवं मोहम्मद हलीम का मोहम्मद सद्दाम के सास-ससुर एवं भाई से कोई भी वास्ता नहीं रखता तथा वाद-विवाद एवं पुलिस शिकायत, न्यायालीन वाद की स्थिति में स्वयं जिम्मेदार रहेंगे। मेरे पक्षकार का वर्तमान एवं भविष्य के वाद-विवाद में कोई जवाबदारी / जिम्मेदारी नहीं होगी।

सो सूचना जाने
दिनांक-20/07/2024

भवदीय
के.के. चन्द्राकर, कु. अरूणा मिश्रा
अधिवक्तागण
Mo. No-9753871812,
OFFICE ADD- Near municipal Corporation Office, Birgaon, Raipur (C.G.) 493221

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

गृहमंत्री शर्मा बोले- छह महीने में 145 नक्सली मारे गए, 633 गिरफ्तार, 526 ने किया समर्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में जबसे भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है, तब से केंद्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में देश की आंतरिक सुरक्षा के सबसे बड़े मसले नक्सलवाद पर लगातार प्रहार जारी है।

अभी तक विभिन्न मुठभेड़ों में 145 नक्सली मारे गए हैं और लगभग 633 गिरफ्तार हुए हैं। 526 ने आत्मसमर्पण किया। श्री शर्मा ने कहा, सरकार यह मानती है कि नक्सलवाद का खात्मा केवल मुठभेड़ से नहीं हो सकता, मुख्य विषय उन क्षेत्रों का विकास करना भी है।

भाजपा सरकार में अपराध हुए कम, कांग्रेस झूठ बोलकर भ्रम फैलाने में लगी

पिछली सरकार के मामले अभी हुए दर्ज

गृहमंत्री ने कहा कि हमने अभी तक पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में हुए सैकड़ों मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। छोटे-मोटे मामले छोड़कर गंभीर मामलों में हमने 337 गिरफ्तारियां की हैं। श्री शर्मा ने कहा, सरकार का यह संकल्प है कि यहां अपराधियों को सजा जरूर दी जाएगी। हमने जो मामले दर्ज किए हैं, उनमें हत्या, हत्या के प्रयास, अनाचार जैसे गंभीर मामले हैं, जिसे पूर्ववर्ती सरकार ने दर्ज नहीं किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के राज में आवेदन करने के बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं होती थी, लेकिन भाजपा सरकार ने तय किया कि एफआईआर को रोककर आंकड़ों का खेल नहीं खेलना है।

नक्सल पर कांग्रेस नहीं थी गंभीर

श्री शर्मा ने रविवार को पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि 2018 से लेकर 2023 तक 5 वर्ष के कांग्रेस शासनकाल में छत्तीसगढ़ की जनता ने देखा है कि सरकार नक्सल समस्या को लेकर गंभीर नहीं थी और यह बात आंकड़े भी कहते हैं। कांग्रेस शासनकाल और भाजपा के सात माह के मौजूदा कार्यकाल के वर्षवार नक्सली अपराध एवं पुलिस कार्रवाई की संख्यात्मक जानकारी देते हुए श्री शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती भूपेश सरकार न केवल नक्सल समस्या को लेकर लापरवाह रही, अपितु छत्तीसगढ़ की कानून-व्यवस्था को उन्होंने अपराधियों के हाथ में गिरवी रख दिया था।

दिया पंजीबद्ध अपराधों का तुलनात्मक ब्योरा

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा, आंकड़े बताते हैं कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकाल में अपराध कम हुए हैं। प्रदेश में भारतीय दण्ड विधान के पंजीबद्ध अपराधों का तुलनात्मक ब्योरा देते हुए श्री शर्मा ने कहा कि राज्य में विशेष स्थानीय अधिनियम के अंतर्गत 9037 मामलों में, स्थापक औषधि एवं मनः प्रभागी पदार्थ अधि. 1995 के तहत 205, आबकारी अधिनियम 1815 के तहत 15500 मामलों में कार्रवाई की गई। राज्य में एनडीपीएस एक्ट के 809 प्रकरण में से 10 बड़े प्रकरणों में लगभग 16 करोड़ 9 लाख 50 हजार 260 कीमत के मादक पदार्थ जब्त किए गए। श्री शर्मा ने कहा, आंकड़े बता रहे हैं कि एफआईआर करने के बाद भी इन आंकड़ों में कैसे कमी आ रही है। इन सारे तथ्यों के बाद भी कांग्रेस झूठ बोलकर भ्रम फैलाने में लगी है, क्योंकि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा ही नहीं है और तथ्य व सत्य से कांग्रेस का दूर-दूर कोई वास्ता नहीं है। वह सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध कर रही है।

निधन

रामी बाई संचेती

रायपुर। विवेकानंद नगर निवासी रामी बाई संचेती (97) का 20 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे कमलाबाई लोढ़ा की माता और सुनील, अनिल, मनोज लोढ़ा की नानी थीं।

कौशल्या देवी धामेजा

रायपुर। सोनारपारा पुरानी बस्ती निवासी कौशल्या देवी धामेजा का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 22 जुलाई को सुबह 11 बजे निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे राजकुमार, अनिल, गोपाल, विनय धामेजा की माता थीं।

गंगा देवी मोटवानी

रायपुर। पुराना राजेंद्र नगर अरोरा कॉलोनी निवासी गंगा देवी मोटवानी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार न्यू राजेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे अशोक एवं सुशील मोटवानी की माता थीं।

जिले में सुगम्य भारत अभियान के तहत कराए गए एक्सेस ऑडिट का ऐसा हाल

दिव्यांगों के लिए 23 सरकारी भवनों में रैम्प-लिफ्ट, 58 दफ्तरों में सुविधा ही नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सरकारी दफ्तरों और स्कूल-कॉलेजों में दिव्यांग बिना किसी सहारे के सुगमता से आना-जाना कर सकें, इसके लिए समाज कल्याण विभाग ने सात साल पहले एक्सेस ऑडिट रिपोर्ट तैयार की थी। पहले फेज में 23 सरकारी भवनों में ही यह सुविधा दी जा सकी है। वहीं दूसरे फेज का काम कराने कोई पहल ही नहीं हुई। लिहाजा जिले के 58 शासकीय भवनों में अभी तक यह सुविधा नहीं है। योजना आगे बढ़ पाती, उसके पहले ही संबंधित अफसरों की जिम्मेदारी में बदलाव कर दिया गया। इससे रैम्प व लिफ्ट लगाने की प्रक्रिया ठंडे बस्ते में है।

खास खबर

जिले में दिव्यांगों के लिए बनाए गए सुगम्य भारत अभियान का हाल-बेहाल है। यह खुलासा सात साल पहले कराए गए एक्सेस ऑडिट रिपोर्ट की पड़ताल में हुआ है। इसमें पता चला है कि समाज कल्याण विभाग ने ऐसे 81 सरकारी भवनों की ऑडिट रिपोर्ट तैयार की थी। इन भवनों में दिव्यांगों के लिए बाधारहित रैम्प बनवाने की जरूरत बताई गई। उनमें पहले फेज में शहर के 23 सरकारी भवनों व सरकारी स्कूल-कॉलेजों में दिव्यांगों के लिए रैम्प व लिफ्ट के लिए केंद्र शासन से मिला फंड भी समाज कल्याण विभाग ने जारी किया। इसके बाद से विभाग ने किन भवनों में निर्माण पूरा किया, इसकी रिपोर्ट जांचने के बाद शासन के माध्यम से केंद्र को भेजने के बाद अफसरों ने चुप्पी साथ ली। इससे जिन भवनों में रैम्प बनवाने की प्रक्रिया दूसरे फेज में होने की बात कही गई, वहां अभी काम शुरू होना तो दूर, काम कराने के लिए शासन से फंड भी नहीं मिला है।

23 जगह निर्माण के लिए मिला बजट

समाज कल्याण विभाग के मुताबिक, अभी तक शहर के 23 सरकारी भवनों ही नहीं, स्कूलों व कॉलेजों में दिव्यांगों के लिए रैम्प बनाने के लिए पहले फेज में 20 अप्रैल 2018 को 6 करोड़ 88 लाख 59 हजार 168 रुपए एजेंसियों को जारी किए गए। उन स्थानों पर दिव्यांगों के लिए रैम्प बनवाने के बाद राज्य शासन के माध्यम से केंद्र को रिपोर्ट भेजी गई। इसके बाद बचे हुए भवनों की सुध विभाग ने नहीं ली। नतीजा यह है कि अभी तक दूसरे फेज में होने वाले काम के लिए बजट ही नहीं मिला है। रिपोर्ट केंद्र शासन को भेजने के बाद प्रक्रिया अटकी है।

23 भवनों की भेजी रिपोर्ट

जिन 23 भवनों के लिए विभाग को फंड मिला था, उनमें रैम्प व लिफ्ट लगवाने के बाद रिपोर्ट भेजी गई है। विभाग की एक्सेस ऑडिट रिपोर्ट के तहत बचे हुए भवनों की जिम्मेदारी गृह निर्माण मंडल को दी गई है, वहां से अभी तक कोई अपडेट नहीं मिला है। - **नदीम काजी,** प्रभारी संयुक्त संचालक, समाज कल्याण विभाग, रायपुर

निर्माण के साथ रैम्प का नियम

अभी तक विभाग ने 58 भवनों में बाधारहित निर्माण कराने में रुचि नहीं दिखाई है। इससे तहसील कार्यालय, जिला पंचायत भवन सहित ऐसे 10 से ज्यादा सरकारी भवन हैं, जहां बाधारहित रैम्प निर्माण नहीं हो पाए हैं। केंद्र शासन को किसी प्रकार का प्रस्ताव नहीं भेजा गया है। इससे दूसरे फेज का काम शुरू नहीं हो सका है। बचे हुए भवनों में 20 से ज्यादा सरकारी स्कूल-कॉलेज भी शामिल हैं। अब नए भवनों को बनाते समय रैम्प व लिफ्ट का निर्माण कराने का प्रावधान कर जिम्मेदारों ने चुप्पी साध ली है। बचे हुए भवनों में मुख्य डाकघर भी शामिल है।

इस कारण बनाई योजना

केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं में से एक सुगम्य भारत अभियान देशभर में लागू किया गया है। इसमें तय प्रावधान के तहत बहुमंजिला भवनों में दिव्यांग आसानी से आना-जाना कर सकें, इस लिहाज से उनके लिए रैम्प बनाने और लिफ्ट लगवाने की प्रक्रिया शुरू की गई। यह पहल इसलिए की गई, ताकि दिव्यांग बिना किसी सहारे के आसानी से अफसरों तक पहुंच सकें। इसके लिए हर बहुमंजिला भवन में दिव्यांगों के लिए रैम्प व लिफ्ट की सुविधा देने का प्रावधान है। इसे बनवाने में किए जा रहे विलंब के चलते अभी तक 58 भवन रैम्प विहीन हैं।

पंचायत सचिवों के शासकीयकरण के लिए बनी समिति

- पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव राजेश राणा की अध्यक्षता में समिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में पंचायत सचिवों के शासकीयकरण के लिए सरकार ने एक समिति का गठन कर दिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा पंचायत सचिव दिवस के अवसर पर प्रदेश पंचायत सचिव संघ, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में पंचायत सचिव संघ के शासकीयकरण की मांग पर घोषणा की थी कि इसके कियान्वयन के लिए समिति का गठन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप पंचायत सचिवों के शासकीयकरण की मांग एवं इसके क्रियान्वयन के विचार के लिए समिति बनाई गई है। सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग राजेश सिंह राणा को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संचालक, पंचायत संचालनालय प्रियंका ऋषि महोबिया को सदस्य सचिव तथा वित्त नियंत्रक, विकास आयुक्त कार्यालय मो. यूनूस को सदस्य बनाया गया है। यह समिति 30 दिनों के भीतर अपना प्रतिवेदन शासन को प्रस्तुत करेगी।

बढ़ेगा वेतन मिलेंगी सुविधाएं

साढ़े दस हजार से अधिक पंचायत सचिव

छत्तीसगढ़ में इस समय 10 हजार 555 पंचायत सचिव काम कर रहे हैं। बताया गया है कि इनमें से 15 साल से अधिक सेवा वालों की संख्या 6 हजार से अधिक है। इन्हें अभी 47 हजार रुपए प्रतिमाह वेतन मिलता है। बाकी बचे पंचायत सचिव, जिनकी सेवा 15 साल से कम है, उन्हें 20 से 25 हजार रुपए वेतन मिलता है। 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पंचायत सचिवों के शासकीयकरण की घोषणा मोदी की गारंटी के रूप में की थी। शासकीयकरण होने के बाद 15 साल से अधिक सेवा वालों का वेतन नहीं बढ़ेगा। 15 साल से कम वालों का वेतन बढ़ेगा, लेकिन सभी पंचायत सचिवों को शासकीय कर्मी के रूप में मिलने वाली सुविधाओं के साथ ओपीएस पेंशन योजना का लाभ भी मिलेगा।

जैतखाम पर गठित समिति ने बैज को सौंपी रिपोर्ट, इंटेलिजेंस फेल इसलिए घटना

- बलौदाबाजार हंगामा और आगजनी केस में कांग्रेस की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बलौदाबाजार में हुई आगजनी और तोड़फोड़ को लेकर कांग्रेस की एक जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज को सौंप दी है। रिपोर्ट में ये आरोप लगाया है कि हंगामा और आगजनी सरकार की बड़ी विफलता रही। सरकार की खुफिया एजेंसी इस बात का पता लगाने में पूरी तरह से नाकाम साबित हुई। कांग्रेस की जांच कमेटी पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया के नेतृत्व में बनाई गई थी।

डॉ. डहरिया ने अपनी जांच रिपोर्ट में बताया कि 15 मई की दरमियानी रात गिरौदपुरी के महकोनी गांव के जैतखाम को अज्ञात लोगों ने नुकसान पहुंचाया। 17 मई को सतनामी समाज ने उक्त घटना के खिलाफ गिरौदपुरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। इस मुद्दे पर जानबूझकर जांच की दिशा को डायवर्ट किया गया। सरकार ने अपनी बला टालने के लिए कांग्रेस पर आरोप मढ़ा। उन्होंने कहा, नागपुर से भी लोग यहां पहुंचे थे। हमारी मांग है कि निष्पक्ष जांच होऔर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले।

डहरिया का दावा

जांच रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि पुलिस प्रशासन ने बिहार प्रांत के तीन लोगों को आनन-फानन घटना का दोषी मानकर पकड़ लिया। पुलिस द्वारा यह बताया गया कि एक ठेकेदार के अंदर में काम करने वाले मजदूर थे। मजदूरी नहीं मिलने पर गुस्से में जैतखाम को नुकसान पहुंचाया। समाज विशेष के लोग इससे नाराज थे, जो कार्रवाई पुलिस ने की, उससे भी वे असंतुष्ट थे। समाज के लोग जांच की मांग कर रहे थे। पुलिस और प्रशासन ने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया, जिसके बाद गिरौदपुरी में एक बैठक हुई।

24 को विधानसभा घेराव

प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ सरकार को कुंभकर्णी नींद से जगाने कांग्रेस 24 जुलाई को विधानसभा का घेराव करेगी। घेराव के लिए हमारी तैयारियां पूरी हैं, हजारों की संख्या में कांग्रेसजन विधानसभा कूच करेंगे। विधानसभा घेराव शांतिपूर्ण और आक्रामक होगा। यह आंदोलन जनता की जान-माल की रक्षा के लिए भाजपा की निकम्मी सरकार के प्रति आम आदमी का प्रतिकार होगा।

असामाजिक तत्वों ने की आगजनी-तोड़फोड़

पूर्व मंत्री ने अपनी जांच रिपोर्ट में दावा किया है कि सरकार और प्रशासन के समुचित संज्ञान न लिए जाने पर 7 जून को प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने वालों में समाज के पदाधिकारियों के साथ भाजपा के जिलाध्यक्ष सनम जांगड़े भी शामिल थे। 10 जून को बलौदाबाजार के दशहरा मैदान में सुबह से ही भारी संख्या में लोगों का आना-जाना शुरू हो गया था। लगभग 10 हजार की भीड़ इकट्ठी हुई और तीन घंटे तक सभा हुई। सभा के बाद रैली निकालकर कलेक्ट्रेट तक गए, इस दौरान असामाजिक तत्वों ने घुसकर आगजनी और तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया।

साय ने विस अध्यक्ष डॉ. रमन से की मुलाकात...

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री रविवार को बालोद और रायगढ़ जिले के दौरे से लौटने के बाद हेलीपैड से सीधे शंकरनगर स्थित विधानसभा अध्यक्ष के निवास पहुंचे। गौरतलब है कि 22 जुलाई से छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र प्रारंभ हो रहा है। सत्र के संबंध में उनसे चर्चा की है।

गोठान शुरू करने की मांग, किया प्रदर्शन

रायपुर। तख्ती हाथ में लेकर गोठान को शुरू करने की मांग को लेकर रविवार को जिला कांग्रेस रायपुर के पदाधिकारियों ने रोड जाम कर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन ब्लॉक कांग्रेस खरोरा के तिल्दा रोड एवं धरसींवा बस स्टैंड में किया गया। इस मौके पर जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने कहा कि किसान फसल चरी से परेशान हैं, रोड पर जानवर अपना अड्डा बनाए बैठे हैं, जिससे आने-जाने वाले लोग भी मोटरसाइकिल, ट्रक, कार एवं अन्य वाहनों से दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं, जानवर भी मारे जा रहे हैं। इन सभी समस्याओं को लेकर विगत 19 जुलाई को रायपुर कलेक्टर को भी मिलकर ज्ञापन सौंपकर गोठान शुरू करने की मांग की गई। प्रदर्शन में पूर्व सांसद छाया वर्मा, कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष हरिशंकर निषाद, भावेश बघेल, डालेंद्र वर्मा, घनश्याम वर्मा, चूड़ामणि साहू, सुरेंद्र गिलहरे, अंकित वर्मा, मुकेश भारद्वाज, निलेश चंद्रवंशी, बबलू भाटिया, जुबेर खान समेत अन्य शामिल रहे।

चांदी के जेवरों की भी हॉलमार्किंग पर आज हो सकता है बड़ा फैसला

- हॉलमार्किंग कमेटी की बैठक में 9 कैरेट सोने के जेवरों पर भी होगा फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ग्राहकों को चांदी के जेवर भी शुद्ध मिल सकें, इसकी कवायद प्रारंभ हो गई है। बीआईएस की हॉलमार्किंग कमेटी की सोमवार को होने वाली बैठक में चांदी के जेवरों की भी हॉलमार्किंग करने पर बड़ा फैसला होने की संभावना है। ऐसा होने से ग्राहक ठगे जाने से बच जाएंगे, भले उनको कुछ रुपए ज्यादा खर्च करने पड़ेंगे, लेकिन इस बात की गारंटी रहेगी कि वे जो चांदी के जेवर ले रहे हैं, वो शुद्ध चांदी के हैं। इस समय चांदी के जेवरों की शुद्धता की कोई गारंटी नहीं रहती। कई कारोबारी मिलावटी जेवर बेचते हैं और इनको परखने का कोई साधन नहीं है, लेकिन हॉलमार्किंग से शुद्धता की गारंटी हो जाएगी। इसी के साथ 9 कैरेट सोने के जेवरों को भी हॉलमार्किंग में शामिल करने की तैयारी है।

प्रदेश के सराफा कारोबारियों के मुताबिक, उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के तहत बीआईएस की हॉलमार्किंग कमेटी की 22 जुलाई की बैठक में चांदी के आभूषणों पर हॉलमार्किंग अनिवार्य करने पर फैसला हो सकता है। इसी के साथ 9 कैरेट सोने के हॉलमार्क गहने बेचने की अनुमति पर भी विचार होगा। हालांकि इतने कम कैरेट वाले गहने छत्तीसगढ़ में नहीं बिकते, लेकिन ये देश के कई राज्यों में जरूर बिकते हैं।

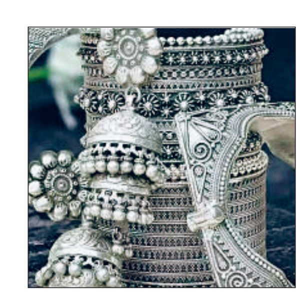

चांदी में भी अनिवार्य हो हॉलमार्किंग

सोने की तरह ही चांदी में हॉलमार्किंग को अनिवार्य करना चाहिए। ऐसा होने से ग्राहकों को फायदा होगा और उन्हें चांदी की शुद्धता की गारंटी सोने की तरह मिलेगी। - **कमल सोनी,** अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन

अभी चांदी में अनिवार्यता नहीं

अभी तक चांदी के हॉलमार्क जेवर बेचना अनिवार्य नहीं है। देश के कुछ राज्यों में जरूर कई सराफा कारोबारी बीआईएस से लाइसेंस लेकर हॉलमार्क जेवर बेच रहे हैं। ऐसे जेवरों में चांदी की शुद्धता 92.5% होती है। हॉलमार्किंग से चांदी के खोटे गहने बेचने वालों पर रोक लगेगी। अभी देश में 14, 18, 20, 22, 23 और 24 कैरेट सोने के हॉलमार्क जेवरों का कारोबार करने की अनुमति है। दुनियाभर में 9 कैरेट सोने के जेवर बड़ी तादाद में बिकते हैं। सोने की शुद्धता 9 कैरेट से कम होने पर इसे सोने की श्रेणी में नहीं रखा जाता।

100 ग्राम तक के जेवरों पर मिल सकती है छूट

राजधानी रायपुर के सराफा कारोबारी और रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू के मुताबिक, चांदी के जेवरों पर हॉलमार्किंग अनिवार्य होने पर इसमें सौ ग्राम तक के जेवरों को इससे अलग रखे जाने की संभावना है। सोने के जेवरों में भी दो ग्राम तक के जेवरों की हॉलमार्किंग जरूरी नहीं है। ऐसा होने से उन छोटे ग्राहकों को राहत रहेगी, जो बिछिया, पायल, चूड़ी, गले की चेन आदि छोटे-छोटे जेवर 5 से 10 तोले तक के खरीदते हैं।

सस्ता टैरिफ लेने 10 दिनों में 11 हजार ने खरीदे बीएसएनएल सिम

- 15 अगस्त तक बीएसएनएल पूर्ण करेगा रायपुर में 4जी टॉवर लगाने का काम
- प्रदेश के हर गांव में 1500 करोड़ की लागत से 1670 मोबाइल टॉवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

निजी मोबाइल कंपनियों के रीचार्ज प्लान में हुई वृद्धि से लोग अब भारत संचार निगम लिमिटेड, यानी बीएसएनएल की ओर आकर्षित होने लगे हैं। बीते 10 दिनों में 11 हजार से अधिक ग्राहक निजी मोबाइल कंपनियों को छोड़कर अपना नंबर बीएसएनएल में पोर्ट करा रहे हैं।

वहीं हजारों लोग अब नई सिम भी ले रहे हैं। बीते दिन जिओ ने 25 प्रतिशत तो एयरटेल ने भी 21 प्रतिशत तक अपना टैरिफ प्लान बढ़ाया था, जिसका लाभ पूरे देशभर में बीएसएनएल को सर्वाधिक हुआ है। दोनों कंपनियों की तुलना में बीएसएनएल के दामों में वृद्धि नहीं हुई है। सस्ते प्लान के कारण अब छत्तीसगढ़ में रोजाना 10 हजार नए ग्राहक जुड़ रहे हैं। हरिभूमि ने बातचीत में महाप्रबंधक टीके मरकाम ने बताया कि नवा रायपुर के साथ-साथ शहर के भीतर टॉवर लगाने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। निजी कंपनी का रीचार्ज महंगा होने से पुराने प्लान में ही बीएसएनएल वही सुविधा दे रहा है, इससे 25 प्रतिशत बचत हो रही है। 15 अगस्त के बाद लोगों को राजधानी में 4जी हाईस्पीड नेट कनेक्टिविटी की सुविधा मिलने लगेगी। 4जी की लांचिंग के बाद बीएसएनएल का सीधा मुकाबला निजी कंपनियों के साथ होगा।

प्रदेश में 2.60 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता : प्रदेशभर में 2.60 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता हैं। इनमें 1.60 शहरी और 90.9 लाख ग्रामीण उपभोक्ता हैं। रायपुर में 7 लाख यूजर्स हैं। संचार मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय के मुताबिक, प्रदेश के 8507 आदिवासी गांवों में मोबाइल कनेक्टिविटी मिल चुकी है। इनमें से 8025 गांवों में 3जी-4जी मोबाइल कनेक्टिविटी मिल रही है। वर्तमान में प्रदेशभर में 14 हजार 664 मोबाइल टॉवर स्थापित हैं।

जुड़ रहे नए उपभोक्ता : निजी कंपनी के प्लान महंगा होने से बीएसएनएल के उपभोक्ता लगातार बढ़ रहे हैं। 10 दिनों में 11 हजार से अधिक लोगों ने सिम खरीदे हैं तो वहीं हजारों लोग पोर्ट भी करा रहे हैं। रायपुर एरिया में 15 अगस्त तक 4जी टॉवर का काम पूरा हो जाएगा। - टीएस मरकाम, जीएम, बीएसएनल, रायपुर

383 टॉवर कर रहे अपडेट

बीएसएनएल के ग्राहकों को अभी 3जी की सुविधा मिल रही है। वर्तमान में रायपुर शहर में 383 3जी टॉवर को 4जी में अपडेट किया जा रहा है। साथ ही बेहतर कनेक्टिविटी के लिए 100 नए टॉवर लगाने का काम भी 80 फीसदी पूरा हो चुका है। एक महीने के बाद राजधानी में बीएसएनएल की 4जी सेवाएं शुरू हो जाएंगी। महाप्रबंधक ने बताया कि निजी कंपनी की तरह बीएसएनएल का रीचार्ज प्लान महंगा होने के कोई संकेत नहीं हैं। बता दें कि केंद्र सरकार के संचार मंत्रालय के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के हर गांव में मोबाइल नेटवर्क के लिए 1500 करोड़ की लागत से 1670 मोबाइल टॉवर लगाए जाएंगे। तीन सालों से यह कार्य चल रहा है।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

हरिभूमि लाइव
रायपुर, सोमवार 22 जुलाई 2024
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

भोलेनाथ का प्रिय श्रावण मास आज से प्रारंभ हो चुका है। जहां मंदिरों में रविवार रात तक तैयारियां की जाती रही, तो वहीं प्रथम सावन सोमवार को बन रहे योग-संयोग इस दिन को खास बना रहे हैं। सावन के पहले दिन श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि, श्रवण नक्षत्र, प्रीति योग, कौलव करण, पूर्व का दिशाशूल, सोमवार दिन और मकर राशि में चंद्रमा है। इस दिन सूर्योदय से लेकर रात तक सर्वार्थ सिद्धि योग बना हुआ है। इसके अतिरिक्त सावन माह के पहले दिन श्रावण नक्षत्र का शुभ संयोग बन रहा है। इस नक्षत्र का संयोग सावन के पहले सोमवार पर देर रात 10 बजकर 21 मिनट तक है।

ब्रह्म मुहूर्त में दूध-दही से अभिषेक

खम्हारडीह रोड स्थित सुरेश्वर महादेव मंदिर के संस्थापक डॉ. स्वामी राजेश्वरानंद ने बताया कि सावन में हर साल भक्तों की भीड़ को देखते हुए व्यवस्था बनाने के लिए तैयारी की गई है। पहले सोमवार को ब्रह्म मुहूर्त में 4 बजे महादेव का दूध-दही से अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद 5 बजे से भक्तों को दर्शन और अभिषेक का अवसर मिलेगा। यह सिलसिला दिनभर चलेगा। इसे देखते हुए भक्तों को पहले सोमवार से अभिषेक व रूद्राभिषेक की सुविधा देने के लिए पुजारी मौजूद रहेंगे। शाम को भक्तों को भांग से किए जाने वाले विशेष श्रृंगार के साथ दर्शन का अवसर मिलेगा। इसके लिए पहले से तैयारी की गई है।

प्रीति योग संध्या 5:58 मिनट तक, आयुष्मान योग मंगलवार दोपहर 2:36 तक

सूर्योदय से लेकर रात तक सर्वार्थ सिद्धि योग, प्रीति पश्चात आयुष्मान योग में पूजे जाएंगे भोलेनाथ

रायपुर। श्रवण नक्षत्र का संयोग दशकों बाद बन रहा है। ज्योतिष श्रवण नक्षत्र को शुभ मानते हैं। इस दौरान शुभ कार्य भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आज प्रीति योग का निर्माण हो रहा है। प्रीति योग संध्याकाल 5 बजकर 58 मिनट तक है। प्रीति योग के दौरान भगवान शिव की पूजा-अर्चना करना विशेष फलदायी होता है। प्रीति योग के बाद आयुष्मान योग का निर्माण होगा। इस योग का समापन 23 जुलाई को दोपहर 2 बजकर 36 मिनट पर होगा।

'पुष्पलोचना स्वरूप' में देंगे दर्शन

बूढ़ेश्वर चौक स्थित प्राचीन बूढ़ेश्वर मंदिर में सावन के लिए भव्य तैयारी की गई है। परिसर की साज-सज्जा रंग-बिरंगी झालर व बंदनवार से की गई है। संयोग से इस बार पांच सोमवार पड़ने से हर सोमवार को बाबा बूढ़ेश्वरनाथ का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। ट्रस्ट समिति के चंद्रप्रकाश व्यास ने बताया, महीनेभर भक्त हजारों की संख्या में रोज पहुंचते हैं। इसमें रायपुर के अलावा आस-पास के शहरों से दर्शनार्थी आते हैं। पहले सोमवार को बूढ़ेश्वरनाथ का स्वरूप 'पुष्पलोचना' रहेगा। इसमें केवल फूलों से श्रृंगार किया जाएगा। कमल फूल, रजनीगंधा, सेवंती, गेंदा, गुलाब जैसे फूलों का उपयोग होगा। त्रिनेत्रधारी का नेत्र रौद्र नहीं बल्कि सौम्य रूप में कमल की पंखुड़ी के समान दर्शनार्थियों को नजर आएगा। सुबह व शाम को महाआरती, जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक किया जाएगा।

कोलकाता से मंगाए गए श्रृंगार के लिए फूल

सिद्धार्थ चौक स्थित नरैय्या तालाब के पास स्वंभू नरहरेश्वर महादेव धाम में ब्रह्म मुहूर्त में महादेव का सबसे पहले फलों के रस एवं दूध से अभिषेक किया जाएगा। पं. देवचरण शर्मा ने बताया, गुरु पूर्णिमा से लेकर सावनभर अखंड रामायण पाठ का क्रम चलता है। यह सिलसिला रक्षाबंधन तक चलेगा। सोमवार के पहले सोमवार को ब्रह्म मुहूर्त में पूजा एवं अभिषेक के बाद दिनभर भक्त पूजा एवं अभिषेक करने के लिए पहुंचते हैं। इसके लिए पंडित सहयोग के लिए उपलब्ध होते हैं। इस बार पहले सोमवार को कोलकाता से मंगाए गए फूलों और पत्तों के साथ ही आभूषणों से नरहरेश्वर महादेव का विशेष श्रृंगार किया जाएगा।

कांवड़ रखने विशेष व्यवस्था

खारून तट पर स्थित हटकेश्वर नाथ महादेव के धाम में सावन के लिए सारी तैयारी रविवार शाम को पूरी कर ली गई। महंत सुरेश गिरी महाराज ने बताया कि पहले सोमवार को ब्रह्म मुहूर्त में मंत्रोच्चार के बीच महादेव का दूध व दही से अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद भक्तों को अभिषेक एवं रूद्राभिषेक के लिए अवसर दिया जाएगा। दूर-दराज से आने वाले कांवड़ियों की सुविधा के लिए महादेव घाट परिसर में व्यवस्था की गई है। जहां वे कांवड़ रखकर मंदिर में जलाभिषेक के लिए इंतजार कर सकेंगे। हर सोमवार को किया जाने वाला श्रृंगार गुप्त रखा जाता है। शाम को ही विशेष श्रृंगार के साथ हटकेश्वर नाथ भक्तों को दर्शन देते हैं।

गणेश-शिव मंदिर में फूलों व पत्तों से श्रृंगार

बूढ़ातालाब स्थित गणेश-शिव मंदिर में ब्रम्ह मुहूर्त से मंदिर में पूजा शुरू हो जाएगी। 4 बजे महाआरती होगी। इस दौरान पंचामृत से अभिषेक पश्चात फूल, बेलपत्र, केला झाड़, नारियल से मनमोहक श्रृंगार किया जाएगा। शाम को फूल व पत्तों से भगवान का विशेष श्रृंगार होगा। शाम 7 बजे विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ भगवान की आरती होगी। मंदिर में भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। सावन के पहले सोमवार में सरोना स्थित प्राचीन शिव मंदिर के अलावा टोला घाट में भी भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा होगी।

रजत मुकुट और सर्प से श्रृंगार

भाठागांव अंतरराज्यीय बस स्टैंड के पास स्थित श्रीहर नीलकंठेश्वर महादेव धाम में सुबह 5 बजे मंदिर के पुजारी जनार्दन पांडेय द्वारा मंत्रोच्चार के साथ नीलकंठेश्वर महादेव का विशेष अभिषेक व पूजा-आरती की जाएगी। इसके बाद भक्तों के लिए मंदिर का पट खुलेगा। मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष मनोज वर्मा ने बताया, इस बार सावन के हर सोमवार को महादेव का विशेष श्रृंगार होगा। इसके पूर्व ही उनके धाम की साज-सज्जा का काम पूरा कर लिया गया है। दिनभर भक्तों द्वारा जलाभिषेक का क्रम चलेगा। शाम को चांदी के मुकुट, सर्प और जलहरी से नीलकंठेश्वर महादेव का विशेष श्रृंगार किया जाएगा।

60 प्लस वीमंस के लिए टॉक शो, बांटेंगी अनुभव

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन का रविवार को हुई बैठक में 25 से 27 जुलाई को राजधानी के साथ राजनांदगांव जिले के बालोद में एक अनूठे कार्यक्रम को लेकर रूपरेखा बनाई गई। प्रदेश मीडिया प्रभारी कविता राठी ने बताया की संगठन द्वारा 'शेष जिंदगी विशेष जिंदगी' कार्यक्रम के तहत 60 वर्ष से अधिक की उम्र की तकरीबन 101 महिलाओं के लिए तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया है। जहां विभिन्न प्रकार के योग, जुंबा, एक्यूप्रेशर ,टॉक शो, सेल्फ हीलिंग, हुनर आपका, गंगा मैया दर्शन आरती, कुछ मस्ती के पल, आध्यात्मिक सेशन, शिव अभिषेक, बचपन के सुहाने पल, सांस्कृतिक कार्यक्रम ,आओ जी लें हर पल सहित अनेक रोचक कार्यक्रम कराए जाएंगे।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से अपना हुनर पेश करने के साथ ही वे अनुभव भी बांटेंगी। प्रदेश अध्यक्ष शशि गट्टानी व प्रदेश सचिव रूपा मूंदड़ा ने बताया, कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बालोद माहेश्वरी महिला संगठन, राजनांदगांव स्थानीय, डोंगरगढ़, डोंगरगांव महिला संगठन लगातार प्रयासरत है। कार्यक्रम की संयोजिका पल्लवी टावरी, रूपाली गांधी व ज्योति राठी है।

राज्य पात्रता परीक्षा में 40 फीसदी उम्मीदवार रहे नदारद, 1 लाख 65 हजार ने किया था आवेदन, 19 विषयों में हुए परीक्षा

व्यापम ने भावी प्राध्यापकों से पूछा-डिजिटल डेटा प्रबंधन, पढ़ाने का कौशल व अनुसंधान विशेषताएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा राज्य पात्रता परीक्षा का आयोजन रविवार को दो पालियों में किया गया। इसके लिए व्यापम को एक लाखा 65 हजार आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 40 फीसदी उम्मीदवारों ने परीक्षा छोड़ दी। व्यापम ने रायपुर सहित 8 जिला मुख्यालयों में केंद्र बनाए थे। अकेले रायपुर जिले में 94 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। यहां 35 हजार 86 छात्र परीक्षा दिलाने के लिए पंजीकृत हुए थे। इनमें से 61.7 प्रतिशत ने ही परीक्षा दिलाई। परीक्षा दो पालियों में हुई। प्रथम पाली में जहां व्यापम ने सामान्य अध्ययन की परीक्षा ली तो वहीं दूसरी पाली अभ्यर्थियों द्वारा चुने गए विषय के आधार पर परीक्षा हुई। व्यापम ने इस बार 19 विषयों के लिए राज्य पात्रता परीक्षा का आयोजन किया था। इसके पहले 2019 में सेट का आयोजन किया गया था, उस वक्त 56,712 आवेदन मिले थे। इस तरह 2024 में हुई परीक्षा में 2019 की तुलना में तीन गुना अधिक अर्जी व्यापम को मिली। बड़ी संख्या में प्राप्त आवेदनों को देखते हुए व्यापम द्वारा केंद्र भी बड़ी संख्या में बनाए गए थे।

आवेदन में भरा गलत विषय

रायपुर के मायाराम सुरजन विद्यालय में बनाए गए केंद्र में एक अजीब मामला सामने आया। यहां परीक्षार्थी द्वारा राज्य पात्रता परीक्षा में शामिल होने के लिए विषय के रूप में पृथक विषय का चुनाव किया जबकि वह छात्र किसी अन्य विषय का था। परीक्षार्थी ने व्यामप पर गलत विषय का प्रश्नपत्र बांटने का आरोप लगाया। बाद में व्यापम द्वारा स्पष्ट किया गया कि परीक्षार्थी द्वारा जिस विषय का चुनाव किया गया था, उसे वही प्रश्नपत्र दिया गया है।

विषयवार भिन्न-भिन्न रहा कठिनाई का स्तर

प्रथम पाली की परीक्षा में 50 सवाल पूछे गए। इसके लिए 100 अंक निर्धारित थे। दूसरी पाली की परीक्षा के लिए 300 अंक निर्धारित रहे। प्रथम पाली में पूछे गए सवाल औसत रहे। परीक्षार्थियों से शिक्षार्थियों की विशेषताएं, पढ़ाने का कौशल, वैयक्तिक विभिन्नता, अनुसंधान विशेषताएं, डिजिटल डेटा प्रबंधन सहित भाषायी ज्ञान और गणितीय सवाल पूछे गए। विशेषज्ञों और परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों के अनुसार, प्रथम पाली की परीक्षा औसत रही। दूसरी पाली की परीक्षा में कठिनाई का स्तर विषयवार भिन्न-भिन्न रहा। कुछ विषयों के सवाल आसान तो कुछ के कठिन रहे। हिंदी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, इतिहास, भूगोल, फिजिकल साइंस, केमिकल साइंस, मैथेमेटिकल साइंस, लाइफ साइंस, कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन, वाणिज्य, विधि, संस्कृत, मनोविज्ञान, लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, फिजिकल एजूकेशन और होमसाइंस सहित 19 विषयों के लिए व्यापम ने परीक्षा ली है।

सिटी लाइव

अखिल भारतीय थल सैनिक शिविर के लिए 6 जिलों से आएंगे कैडेट्स

रायपुर। एनसीसी ग्रुप द्वारा वार्षिक थल सैनिक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। ग्यारह दिवसीय शिविर का संचालन सोमवार 22 जुलाई से 31 जुलाई तक किया जाएगा। जिसमें रायपुर सहित छः एनसीसी समूह भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, सागर और जबलपुर से शामिल होंगे। शिविर में बाधा प्रशिक्षण, मानचित्र पढ़ना, फील्ड व बैटल क्राफ्ट, स्वास्थ्य, स्वच्छता, तंबू पिचिंग, फायरिंग जैसी विभिन्न विषियों पर मुख्य रुप से जानकारी दी जाएगी। शिविर का मुख्य उद्देश्य सितंबर माह में नई दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय थल सैनिक शिविर के लिए टीम का चयन कराना है। जहां देशभर के निदेशालयों से प्रतिभागी शामिल होते हैं, शिविर में प्रत्येक प्रतिभागियों को हर विधा में तैयार किया जाएगा।

पोर्टल में जाकर करना होगी पंजीयन

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ एनसीसी निदेशालय के मेजर जनरल एके महाजन ने बताया, शिविर के साथ ही परिणाम की घोषणा की जाएगी। शिविर के अंतिम दिन पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में ब्रिगेडियर राजनीश गौर, ब्रिगेडियर वीएस चौहान उपस्थित रहेंगे। शिविर में शामिल होने के लिए प्रतिभागियों को पोर्टल में प्रवेश कर पंजीयन करना होगा। अधिक जानकारी के लिए **www.nccauto.gov.in** पर लॉग इन-कर सकते हैं। साथ ही शिविर स्थल की जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 77207-96177 जारी किया गया है।

कैंपस लाइव

स्कूलों में गठित होंगे इको क्लब रोपे जाएंगे कम से कम 35 पौधे

रायपुर। छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करने स्कूलों में इको क्लब का गठन किया जाएगा। समग्र शिक्षा द्वारा इसके लिए योजना बनाई गई है तथा जिला शिक्षा अधिकारियों को इस संदर्भ में खत लिखा गया है। जिला शिक्षा अधिकारियों से कहा गया है कि वे सभी स्कूलों में इको क्लब का गठन कर नोटिफिकेशन अपलोड करें। राज्य के सभी शासकीय, निजी एवं अनुदान प्राप्त स्कूलों में इको क्लव का गठन करना होगा। इससे संबंधित दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। सभी स्कूलों में इको क्लब के अंतर्गत छात्रों को नामित किया जाएगा। वे शिक्षकों के मार्गदर्शन में कार्य करेंगे।

लगाई जाएगी नाम पट्टिका

आदेश के अनुसार सभी स्कूलों में इको क्लब का गठन करते हुए प्रत्येक स्कूल में कम से कम 35 पौधों का रोपण करना होगा। बच्चों एवं उनकी माताओं द्वारा वृक्षारोपरण करते हुए नाम पट्टिका भी लगाई जाएगी। उनके देखरेख के लिए बच्चों को जिम्मेदारी दी जाएगी। 27 जुलाई को इस क्लब के सदस्यों को समुदाय के समक्ष शपथ दिलवाई जाएगी अर्थात 27 जुलाई के पूर्व स्कूलों में इको क्लब का गठन करना होगा। पर्यावरण प्रेमी छात्र इस क्लब से जुड़ सकेंगे। छात्रों द्वारा ना केवल वृक्षारोपण किया जाएगा बल्कि रोपे गए पौधों की जिम्मेदारी ली जाएगी।

समाज इवेंट

शहर में होगा विकलांग सामूहिक विवाह, इसके पूर्व सम्मेलन

रायपुर। अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद द्वारा 15वां राज्य स्तरीय विकलांग विवाह 15-16 फरवरी 2025 को कराया जाएगा। इसके पूर्व 22 दिसंबर को परिचय सम्मेलल आयोजित किया जाएगा। परिषद की बैठक में इससे संबंधित रूपरेखा बनाई गई। संस्था संरक्षक वीरेन्द्र पांडे ने कहा, हमारे 121 कार्यक्रम जो विकलांगों के लिए चिन्हित किए गए हैं, उनमें से कुछ अन्य कार्यक्रम भी आगामी दिनों में संपन्न किए जाएंगे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुराधा दुबे ने कहा, विकलांग विवाह की जानकारी सभी जनपद पंचायत के माध्यम से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में देने की योजना बनाई जा रही है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

61वां विकलांग ऑपरेशन शिविर अगले माह

अगस्त में होने वाले 61वें विकलांग ऑपरेशन शिविर और राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक के संबंध में भी जानकारी दी गई। इसके लिए चिन्हित लोगों की जानकारी दी गई। इसकी जानकारी भी अधिक से अधिक लोगों में प्रसारित करने की योजना बनाई गई है। सभी सदस्यों को इससे संबंधित जिम्मेदारी बांट गई है, ताकि सुचारू रूप से संचालन हो सके। बैठक में नवीन भूषनिया, संतोष बजाज, राजेश अग्रवाल, नारायण अग्रवाल, योगेश शर्मा, दीपक अग्रवाल, आशुतोष शर्मा, रवि शर्मा, विकास तिवारी सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

मंदिरों, शैक्षणिक संस्थानों से लेकर सामाजिक संस्थाओं द्वारा गुरु पूर्णिमा पर की गई विशेष आराधना

गुरु शरण में शहर... परंपरा सहजते हुए ज्ञान का आशीर्वाद

रायपुर। आषाढ़ मास के अंतिम दिन गुरु पूर्णिमा के मौके पर शहर में भक्तिमय माहौल नजर आया। लोगों ने गुरु-शिष्य परंपरा का पालन करते हुए ना केवल अपने गुरुओं की पूजा की बल्कि उनसे ज्ञान का आशीर्वाद मांगा। जैन मंदिर में इस दौरान बच्चों को दीक्षा मंत्र देने की भी व्यवस्था की गई। विविध सामज द्वारा भी गुरुजनों को सम्मानित किया गया।

संस्कार शिविर में बच्चों को बताए गए परिजनों के प्रति उनके कर्तव्य

गुरू पूर्णिमा के अवसर पर जैन दादाबाड़ी में मुनिश्री विरागमुनि ने बच्चों के लिए रविवारीय संस्कार शिविर का आयोजन किया, जिसमें उनका परिजनों के प्रति उनके कर्तव्यों से परिचय कराया गया। मुनिश्री ने बच्चों को बताया कि सबसे पहले हमें अपने परिजनों का सहयोग करना है, बड़ों का आदर करना है, क्योंकि घर में सबसे पहले माता-पिता भगवान का रूप होते हैं। इसके बाद हमें पढ़ाई पर पूरा फोकस करना है, क्योंकि जीवन में सफल होने की सबसे पहली सीढ़ी शिक्षा है। साथ ही हमें अच्छा भोजन लेना है और भोजन हमेशा पौष्टिक होना चाहिए, क्योंकि इससे हमें ताकत मिलेगी और शरीर भी स्वस्थ रहेगा। हमें बीमारी के समय शांति बनाए रखना चाहिए, क्योंकि बीमारी से डरोगे तो वह आप पर हावी होती चली जाएगी, इसलिए हमें अपने आप को नियंत्रित रखना होगा। हमें सभी की मदद करनी है और कभी पीछे नहीं हटना है, क्योंकि दूसरों की मदद करने वाले बच्चे सभी को पसंद होते हैं।

ब्रह्मलोक आश्रम में कलश यात्रा व रुद्राभिषेक

परसदा स्थित ब्रह्मलोक आश्रम में स्थापित कैलाश मानसरोवर स्थित शिवलिंग पर 100 महिलाओं द्वारा खारून नदी से लाए गए जल से रुद्राभिषेक किया गया। पांच पंडितों ने मंत्रोच्चार किया। इसके बाद क्षेत्र में कलश यात्रा निकाली गई। आगामी 18 अगस्त तक अभिषेक का क्रम जारी रहेगा। इसमें अलग अलग यजमानों द्वारा रुद्राभिषेक किया जाएगा।

बालक-बालिकाओं को दिया गया दीक्षा मंत्र

शहर स्थित श्रीलाल गंगा पटवा भवन में 265वें तेरापंथ स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां मुख्य वक्ता के रुप में मुनि सुधाकर व मुनि नरेश कुमार उपस्थित रहे। आयोजन में आचार्य भिक्षु द्वारा तेरापंथ की स्थापना, संचालन एवं प्राचीन इतिहास को क्रमबद्ध रुप से साझा किया गया। इस दौरान भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। इस दौरान गुरुपूर्णिमा पर्व भी मनाया गया, जिसमें गुरु के अर्थ की जानकारी दी गई। जैन मुनि ने कहा, गुरु शब्द दो शब्दों से मिलकर निर्मित हुआ है, जिसका अर्थ अंधकार से प्रकाश की ओर जाने से है। इस अवसर पर अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में बालक-बालिकाओं के मंत्र दीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 35 बच्चों ने हिस्सा लिया।

गुरु दीक्षा लेने पहुंचे श्रद्धालु

गायत्री शक्तिपीठ में सुबह से मां गायत्री का 10 विभिन्न स्नानों के साथ पूजा अर्चना व विशेष श्रृंगार किया गया। जिसके पश्चात गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के पद चारण की पूजा-अर्चना कर भक्तों द्वारा आशीर्वाद लिया गया। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ में श्रद्धालुओं द्वारा गुरु से दीक्षा प्राप्त की गई, साथ ही बच्चों द्वारा विद्यारंभ संस्कार भी किया गया। इस दौरान अनेक शहर से लोग गुरु के दर्शन मात्र के लिए शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में वृक्षारोपण का कार्य भी प्रत्येक श्रद्धालुओं द्वारा किया गया। जहां शक्तिपीठ के सदस्य श्याम बैस ने गुरु पूर्णिमा के महत्व व आवश्यकता पर जोर देते हुए उपस्थित भक्तों को संबोधित किया।

नई पीढ़ी को मिलेगा संस्कृति को समझने का मौका

प्रदेश कुनबी समाज महासंगठन द्वारा वरिष्ठ गुरुजनों को छत्रपति शिवाजी भवन, गोंदवारा में सम्मानित किया गया। प्रदेश सचिव अमित डोये ने बताया, मंगल गान और गायत्री मंत्र के बीच समाज के गुरुजनों के पद पखारन और माल्यार्पण कर शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन से नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति को समझने का अवसर मिला। सम्मानित वरिष्ठ नागरिकों में एसएस ब्राम्हणकर, जेएन गोंदुडे, एलएन गोंदुड़े, डीएन चौधरी, बालकृष्ण शिवनकर, दिलीप गेडेकर, दानेश्वर रावत, मनोहर खोटेले, डीएन चौधरी आदि शामिल रहे। प्रदेश अध्यक्ष रंजीत मुनेश्वर, सारिका गेडेकर, मनीषा बारसे, हेमलता शिवणकर, वासुदेव फुंडे, दिनेश पागोटे, दिलीप गेडेकर आदि शामिल रहे।

दुग्धाभिषेक, रुद्र मंत्र संग विशेष श्रृंगार

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्राचीनतम दत्तात्रेय मंदिर में सुबह दत्त गुरू व गुरू गोरखनाथ का दुग्धाभिषेक, रुद्र मंत्र के साथ पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर प्रभू दत्त का विशेष श्रृंगार व महाआरती की गई। इस दौरान भगवान दत्त को कमल व गुलाब की फूलों की माला अर्पित की गई। साथ ही सोने-चांदी के आभूषणों से विशेष श्रृंगार किया गया। इस दौरान सुधा शर्मा, अजय तिवारी, दिनेश फनसलकर , कुमुद कान्है , विनोद शेष विनायक राव, ट्रस्ट अध्यक्ष हरि वल्लभ अग्रवाल, श्याम वैताल, केएस भट्ट, अनुजा दूबे , विजय दूबें , राजेश अग्रवाल, शयामलि कुमरे, राखी नामदेव, महेश राम साहू शामिल हुए।

वृक्षारोपण पश्चात सामूहिक रूद्र पूजन व दिव्य सत्संग

आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा ज्ञान क्षेत्र में साधकों ने सुदर्शन क्रिया सुबह 7 बजे से 8:30 बजे तक की। इसके उपरांत ज्ञान क्षेत्र तथा आस-पास 70 छाया एवं फलदार वृक्ष साधकों, प्रशिक्षकों एवं पदाधिकारियों द्वारा लगाए गए। इसमें 10 नीम, 10 बेल, 20 शहतूत सहित सोन पत्ता, शीशम, मेंहदी इत्यदि के पेड़ शामिल रहे। इनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रत्येक साधक ने उठाई। संस्था सदस्यों ने बताया, आर्ट ऑफ लिविंग की वैदिक धर्म संस्थान के माध्यम से गुरुपूर्णिमा के अवसर पर सामूहिक रूद्र पूजा का आयोजन शाम को किया गया। इसके उपरांत गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दिव्य सत्संग एवं प्रसाद वितरण किया गया।

फुटबॉल मैच के बाद सपरिवार जुटे 'मैंगो ईटिंग' में लंदन और अमेरिका से भी पहुंचे पूर्व सैनिक छात्र

रायपुर। अविभाजित मध्यप्रदेश के समय रीवा स्थित प्रदेश के एक मात्र सैनिक स्कूल के स्थापना दिवस पर आयोजित पुरा छात्र सम्मेलन रिंग रोड नंबर-3 में स्थित एक निजी रिजार्ट में संपन्न हुआ। पुरा छात्र सम्मेलन में भाग लेने छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में निवासरत पुरा छात्र सपरिवार शामिल हुए। सम्मेलन में भाग लेने लंदन के रेडियोलाजिस्ट डॉ. नवीन खन्ना और न्यू जर्सी अमेरिका के सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ महेन्द्र सिंह पटेल की उपस्थित विशेष उल्लेखनीय रही। सम्मेलन के पहले दिन रात्रि भोज और संगीत संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें देर रात तक सभी स्कूल दिनों की याद ताजा करते हुए संगीत की धुन में झूमते रहे। दूसरे दिन परंपरागत फुटबॉल मैच, रस्सी खींच प्रतियोगिता सहित बच्चों और महिलाओं के लिए पारिवारिक मैगों ईटिंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

सैनिक स्कूल के दो पुरा छात्र वर्तमान में थल सेना और नौ सेना अध्यक्ष

1971 के भारत-पाक युद्ध में दिखाया शौर्य

सैनिक स्कूल के स्वर्णिम इतिहास को याद करते हुए उन्होंने बताया, वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध, श्रीलंका शांति सेना, कारगिल युद्ध में सैनिक स्कूल के छात्रों ने अप्रितम शौर्य का प्रदर्शन किया और अनेक वीरता चक्र प्राप्त किए। अब तक स्कूल के पूर्व छात्र 3 वीर चक्र, 3 शौर्य चक्र, 4 सेवा मेडल सहित अन्य सैन्य सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। इसके अलावा सैनिक स्कूल रीवा के छात्र राजनीति, प्रशासन, अंतरिक्ष विज्ञान आदि क्षेत्रों में देश-विदेश में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। सैनिक स्कूल स्थापना दिवस पर आयोजित पुरा छात्र सम्मेलन में संचालक सैनिक कल्याण ब्रिगेडियर विवेक शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक आशीष शुक्ला, राम किशन मिश्रा, मुकेश सिंह, अभिनेय सिंह आदि उपस्थित रहे।

पूर्व छात्रों में से 900 भारतीय सेना के अधिकारी

सैनिक स्कूल रीवा की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए वर्ष 1980 बैच के पुरा छात्र एवं नेफ्रोलाजिस्ट संजीव अनंत काले ने बताया कि सैनिक स्कूल रीवा की स्थापना 20 जुलाई 1962 को की गई थी। वर्ष 1962 में स्थापना से लेकर इन 62 वर्षों में लगभग 4500 से अधिक छात्र शिक्षा ग्रहण कर चुके हैं। इसमें लगभग 900 छात्र भारतीय सेना के अधिकारी हैं। जिसमें 20 से अधिक छात्र ले. जनरल, मेजर जनरल या समकक्ष पदों पर सेना में हैं। वर्तमान थल सेना अध्यक्ष ले. जनरल उपेन्द्र द्विवेदी और नौ सेना अध्यक्ष एडमिरल दिनेश त्रिपाठी सैनिक स्कूल रीवा के वर्ष 1982 पास आउट है। वहीं ले. जनरल केटी पटनायक अरूणाचल प्रदेश के राज्यपाल हैं।

वृक्ष सर्वश्रेष्ठ उपहार

रायपुर। आरती ग्रुप द्वारा अशोका पाम मेडोज के रहवासियों के सहयोग से कॉलोनी में 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी, लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, भाजपा नेता राजीव अग्रवाल व समाजसेवी विजय अग्रवाल शामिल हुए। इस दौरान सभी मुख्य अतिथियों ने मां के नाम से वृक्षारोपण किया और लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित भी किया। सांसद अग्रवाल ने वृक्षारोपण के लिए सभी का आवाहन करते हुए कहा कि हमारे बच्चों के जीवन के लिए, हमारे बुजुर्गों की आत्मा की शांति के लिए अगर हमको कुछ करना है, तो इससे अच्छा काम और कोई नहीं हो सकता। प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने सभी को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए लोगों को प्रेरित किया।

कॉर्नर न्यूज

मुहर्रम के पाक महीने मे इमाम हुसैन की याद में रखा गया कार्यक्रम

सभी धर्म और वर्ग के लोगों के लिए किया गया आयोजन

तोहफा जूतों का... बच्चों के पैरों में पहली बार जूता देख छलक पड़ी मांओं की आंखें

रायपुर। ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा खिदमत-ए-खल्क यानी मानवता की सेवा की नियत से स्कूली जूतों का तोहफा कार्यक्रम का आयोजन रविवार को नुरुस्सुबाह हाल दी सीड्स हॉलिस्टिक पब्लिक स्कूल अंजुमन उर्दू गर्ल्स स्कूल शास्त्री बाजार में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केजी-1 से दसवीं कक्षा के उन जरूरतमंद बच्चों को जूते मुहैया कराना था, जो अब तक स्कूल के लिए जूते नहीं ले पाए हैं। ऐसे बच्चों को संस्था द्वारा ब्रांडेड व नए जूते-मोजे बांटे गए। इस कार्यक्रम के आयोजक ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन रायपुर संभाग के अध्यक्ष जनाब शाज़ी राशिद साहब ने बताया कि कार्यक्रम में कुल 900 बच्चों ने जूतों के लिए विभिन्न माध्यमों से आवेदन दिया था। पूर्व में किए गए आवेदन तथा ऑन स्पॉट आवेदन के बाद लगभग 850 से 900 बच्चों को नए जूते संस्था द्वारा बांटे गए। संस्था के प्रदेश अध्यक्ष जनाब सिराज साहब ने बताया, कार्यक्रम के दौरान उस वक्त माहौल भावनात्मक हो गया, जब कुछ मांओं की आंखें बच्चों को नए-जूते मोजे पहन देखकर भर आईं। इन में से एक ऐसी मां भी थी, जिनके दिव्यांग बच्चे ने पहली बार जूता पहना था, इस कार्यक्रम में बच्चे अपने माता-पिता के साथ रायपुर के कोने कोने से आए हुए थे।

अन्य जिलों से भी पहुंचे मददगार

फाउंडेशन के संरक्षक जनाब फैसल रिजवी साहब द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने वाले रायपुर संभाग के सभी कार्यकर्ता और बिलासपुर संभाग के लूथरा शरीफ में गत दिनों हुए नेत्र जांच शिविर को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी पद अधिकारियों का सम्मान भी किया गया। तोहफा जूतों का कार्यक्रम को दिशा देने जनाब गौहर साहब तथा जगदलपुर के हाजी वसीम रिजवी साहब का भी सम्मान किया गया।

शिक्षकों ने दिया सहयोग

बच्चों को शिक्षा क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अतिथियों ने प्रेरित किया। फाउंडेशन द्वारा चलाई जा रही सीड्स स्कूल की प्राचार्य रुक्सार खान, अम्बरीन खान, रीना, रुकसाना मैडम सहित अन्य शिक्षकों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन के दीगर संभाग से भी पदाधिकारी आए हुए थे, जिसमें जनाब हाजी शफ़ीक़ साहब, इंजीनियर मखमूर इक़बाल साहब, एमके गौरी साहब तथा मजलिस-ए-शूरा और हमशीरा ग्रुप की टीम शामिल रही।

सिटी स्पोर्ट्स

अंतराष्ट्रीय शतरंज दिवस पर नन्हें खिलाड़ियों ने शह और मात देने की जोर आजमाइश

रायपुर। अंतराष्ट्रीय शतरंज दिवस के अवसर पर रविवार को जिला स्तरीय शतरंज चयन प्रतियोगिता का आयोजन अविनाश सिग्नेचर होम क्लब हाउस मे किया गया। इस प्रतियोगिता मे अंडर 07,09,11 और 13 आयु वर्ग के 112 खिलाड़ियों ने भाग लिया। पुरस्कार वितरण समारोह मे सिग्नेचर क्लब के पदाधिकारियों और रायपुर जिला संघ ने बच्चों को आकर्षक ट्रॉफी और नगद प्राइज प्रदान किए।

इस प्रतियोगिता की सबसे खास बात यह रही की 07 और 09 आयु वर्ग के 50 छोटे बच्चों ने उत्साह से भाग लिया और सभी के पालको ने बच्चों को खूब प्रोत्साहित किया। आज हुई प्रतियोगिता मे अंडर 07 आयु वर्ग बालक मे प्रथम अवयुक्त अग्रवाल, द्वितीय युवान कश्यप बालिका वर्ग मे अनिका गुप्ता प्रथम, द्वितीय अंशिका अग्रवाल रही। प्रतियोगिता मे अंडर 09 आयु वर्ग बालक मे प्रथम राजवीर अजवानी , द्वितीय भव्य झवर बालिका वर्ग मे अनिका रेड्डी प्रथम, द्वितीय सावी साहू रही। अंडर-11 आयु वर्ग बालक मे प्रथम प्रणव अग्रवाल, द्वितीय अद्विवित्त पांडेय, बालिका वर्ग मे अद्विका पांडेय प्रथम, द्वितीय वरिमा विश्वकर्मा रही। अंडर-13 आयु वर्ग बालक मे प्रथम अभ्युदय तिवारी, द्वितीय विवान रॉय बालिका वर्ग मे आन्या खूबचंदानी प्रथम, द्वितीय हेतैशी मुदालियर रही। प्रतियोगिता के मुख्य आर्बिटर अनूप झा, और सह आर्बिटर हेमा नागेश्वर, संजना धर्मराज एवं सतीश शर्मा थे। टूर्नामेंट संचालक छत्तीसगढ़ राज्य शतरंज संघ से विकास शर्मा और रायपुर जिला संघ पदाधिकारी संदीप दीवान, गौरव दीवान और विवेक दुबे थे। टेक्निकल विशेष सहयोगी कैंडिडेट मास्टर विनोद शर्मा, इंटरनेशनल प्लेयर्स रविश पाठक और हरिवंश अग्रवाल थे।

राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ की सीनियर टीम गोवा रवाना

रायपुर। वाको इंडिया किक बॉक्सिंग फेडरेशन के मार्गदर्शन में गोवा एसोसिएशन के तत्वाधान में मापुसा गोवा में 24 से 28 जुलाई तक सीनियर एवं मास्टर्स महिला एवं पुरुष वर्ग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों से लगभग 1000 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। छत्तीसगढ़ किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष छगन मुंदड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा एवं महासचिव आकाश गुरुदीवान ने बताया कि स्पर्धा में शामिल होने वाले राज्य के सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों का चयन रायपुर में आयोजित 11 वी राज्य स्तरीय जूनियर प्रतियोगिता एवं गत उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। प्रतियोगिताओं में राज्य के 50 महिला पुरुष खिलाड़ी विभिन्न वजन वर्गो में भाग लेंगे। रायपुर राज्य की टीम में रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, सरगुजा, मुंगेली, धमतरी सहित विभिन्न जिलों के खिलाड़ी महासचिव आकाश गुरुदीवान के नेतृत्व में इंटरनेशनल रेफरी मयंक डडसेन, मनीष बाग, नजमा खान तथा कोच के रूप में विशाल हियाल के साथ हिस्सा ले रहे है।

शासन के प्रोत्साहन से तलवारबाज रीबा और रूपाली ने न्यूजीलैंड में लहराया भारत का परचम

रायपुर। तलवारबाजी की खिलाड़ी रीबा बेन्नी और रूपाली साहू ने 12 से 19 जुलाई तक क्राईस्टचर्च न्यूजीलैण्ड में सम्पन्न जूनियर कामनवेल्थ तलवारबाजी प्रतियोगिता में भारतीय टीम को सिल्वर मेडल दिलवाया। खेल संचालक तनुजा सलाम ने खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की और खेल एवं युवा कल्याण विभाग की ओर से बधाई दीं। ज्ञात हो दोनों खिलाड़ियों ने न्यूजीलैण्ड जाने के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग से आर्थिक मदद के लिए आवेदन किया था। खेल संचालक तनुजा सलाम ने इन खिलाड़ियों को जिनमे रिबा बेन्नी को रू 4 लाख और रूपाली साहू को रू 3.5 लाख की आर्थिक सहायता दिये जाने की अनुशंसा सहित प्रकरण राज्य शासन को प्रेषित किया था।

खेल संचालक के प्रस्ताव पर खेल सचिव हिमशिखर गुप्ता और खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने स्वीकृति प्रदान की। विदित हो कि इन खिलाड़ियों ने तलवारबाजी में बेहतर प्रदर्शन के लिए बहुत परिश्रम किया है। अपने बेहतर प्रदर्शन और तकनीक के कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सिल्वर मेडल प्राप्त करने में सफल रहीं।

पैनिक अटैक और मिर्गी में हैं अंतर, डाक्टर से जरूर लें परामर्श

पैनिक अटैक आने पर घबराएं नहीं जानें लक्षण और बचाव के उपाय

बिगड़ी जीवन शैली के कारण लोग कई तरह की बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। सबसे ज्यादा लोग तनाव और चिंता में डूबे रहते हैं। यह चिंता जब बढ़ जाती है तब व्यक्ति पैनिक अटैक का शिकार होता है। आइए जानते हैं पैनिक अटैक क्यों होता है? इसके लक्षण क्या है और इससे बचाव के लिए क्या करना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट कमल किशोर वर्मा इस बारे में जानकारी दे रहे हैं।

क्या है पैनिक अटैक?

एक्सपर्ट के माने तो पैनिक अटैक डर और चिंता की एक तीव्र भावना है। यह अक्सर आपके साथ तब होता है जब आप अपने जीवन में होने वाली किसी घटना को लेकर चिंतित होते हैं या आप किसी तरह के खराब और तनावपूर्ण स्थिति का सामना कर रहे होते हैं। कई बार यह चिंता इतनी ज्यादा व्यक्ति पर

पैनिक अटैक के कारण

इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे अगर आपके परिवार या करीबी में किसी को यह डिसऑर्डर है तो यह आपको भी होने की संभावना बढ़ जाती है। मस्तिष्क में न्यूरोट्रांसमीटर में कुछ असंतुलन होना जैसे सेरोटोनिन और डोपामाइन में इंबैलेंस के कारण भी पैनिक अटैक आ सकता है।

गहरी और लंबी सांस लें

पैनिक अटैक आए तो आपको गहरी और लंबी सांस लेनी चाहिए। कुछ देर टहलने भी अच्छा होता है।ठंडा पानी पीना चाहिए।ठंडी जगह पर लेट जाएं। अगर आपको बार बार यह समस्या हो रही है तो आपको डॉक्टर से मिलना चाहिए। पैनिक अटैक शुरू होने की औसत उम्र 24 साल है। यह युवा लोगों मे अधिक देखा जाता है। इसका कारण युवाओं मे विषम परिस्थिति और तनाव का सही सामना ना कर पाना भी हो सकता है। नशा और खराब लाइफ स्टाइल भी इसका खतरा बढ़ा देते हैं।

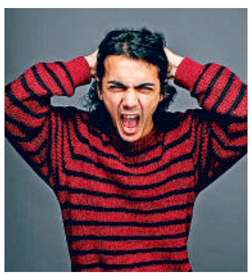

न्यूरोसिस ग्रुप की बीमारियों का संकेत

मानसिक अस्थिरता के लक्षण न्यूरोसिस ग्रुप की बीमारियों का संकेत हैं। डिप्रेशन, स्ट्रेस, एंग्जाइटी, ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर वो बीमारियां हैं जिनमें ऐसे लक्षण दिखते हैं। ये अधिक तनाव की स्थिति में भी दिख सकते हैं। कोई विचार मन में बहुत समय तक दबा कर रखने से भी पैनिक अटैक का खतरा बढ़ता है। इससे बचने के लिए सामाजिक दायरा बढ़ाएं, परिवार और मित्रों से जुड़े रहें। अपनी बात मन में ना रखें। परिजनों से साझा करें। अकेलेपन से बचें इसके लिए डायरी भी लिखी जा सकती है कोई हॉबी या शौक में भी समय देने का प्रयास करें। शारीरिक फिटनेस का भी ध्यान रखें। अचानक घबराहट होना और हिम्मत छोड़ देने का लक्षण भी पैनिक अटैक मे दिखाई पड़ता हैं। ऐसा होने पर डॉक्टर से जरूर संपर्क करें। पैनिक अटैक जानलेवा नहीं हो सकता। ऐसा होने पर हिम्मत रखें और तुरंत इलाज कराएं। आम भाषा में लोग पैनिक अटैक को घबराहट का दौरा भी कह देते हैं, परंतु ये मिर्गी के दौरे ना होकर के टेंशन के दौरे होते हैं ।

नाक की बनावट से जानिए व्यक्ति का स्वभाव और व्यक्तित्व

नाक, चेहरे का वह अंग है जो न केवल हमें सांस लेने में मदद करता है, बल्कि गंध और स्वाद का अनुभव करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके माध्यम से हम किसी भी इंसान के व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ अंदाजा लगा सकते हैं। नाक की बनावट के आधार पर इंसान के स्वभाव और व्यक्तित्व के बारे में जानिए।

सीधी नाक

सीधी नाक वाले व्यक्ति सरल स्वभाव के होते हैं, ऐसे लोग जल्दी किसी से अपने मन की बात नहीं कहते हैं। सीधी नाक वाले लोग ईमानदार, निष्पक्ष और न्यायप्रिय होते हैं। ये लोग जीवन में संतुलन बनाए रखने में विश्वास रखते हैं। ये लोग विश्वसनीय और जिम्मेदार होते हैं और दूसरों पर भरोसा करते हैं। प्रेम के मामले में ऐसे लोगों को आमतौर पर असफलता ही हाथ लगती है।

चपटी नाक वाले लोग

चपटी नाक वाले लोग मिलनसार, खुले विचारों वाले और अनुकूलनीय होते हैं। ये लोग नए लोगों से मिलना और दोस्त बनाना पसंद करते हैं। ये लोग सहज और सरल स्वभाव के होते हैं और ऐसे लोग जीवन का आनंद लेते हैं। ऐसे लोग कला और खेल के क्षेत्र में काफी रूचि रखते है। ईमानदार होने के साथ-साथ ये अपने परिवार का नाम रौशन करते हैं।

शार्प नाक

आगे से हल्की झुकी हुई या तोते जैसी नाक जिसे शार्प नाक या तीखी नाक भी कहते हैं। ऐसे नाक वाले लोग तीक्ष्ण बुद्धि वाले और जिज्ञासु होते हैं। ऐसे लोग चीजों को गहराई से समझने की कोशिश करते हैं और हमेशा नई जानकारी प्राप्त करने के लिए उत्सुक रहते हैं। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, ऐसे लोग महत्वकांक्षी होते हैं और अपने लक्ष्य के प्रति केंद्रित होते हैं।

उठी हुई नाक

उठी हुई नाक वाले लोग महत्वाकांक्षी, ऊर्जावान और आत्मविश्वासी होते हैं। ये लोग नेतृत्व की क्षमता रखते हैं और दूसरों को प्रेरित करने में सक्षम होते हैं। ये लोग जोखिम लेने से नहीं डरते और जीवन में बड़ी सफलता प्राप्त करते हैं।

छोटी नाक

छोटी नाक वाले लोग जिज्ञासु, रचनात्मक और मिलनसार होते हैं। ये लोग नए अनुभवों के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और जीवन का आनंद लेना जानते हैं। ये लोग कला और संगीत में रुचि रखते हैं और रचनात्मक रूप से खुद को व्यक्त करना पसंद करते हैं।

गूंथे हुए आटे का कई दिन करना है इस्तेमाल, तो ऐसे बनाए रखें ताजा

भारत के हर घर में गेहूं के आटे की रोटियां खाई जाती हैं। कुछ आसान से टिप्स को आजमाकर आप गूंथे हुए आटे को अधिक समय तक ताजा रख सकते हैं, ताकि रोटियां सॉफ्ट बनें।

आटा गूंथते समय न करें ज्यादा पानी का इस्तेमाल

आटा ज्यादा हो या कम, ये ध्यान रखें कि उसे गूंथते समय ज्यादा पानी के इस्तेमाल से बचें। प्रयास करें कि कम पानी में अच्छा आटा गूंथे। ज्यादा गीला आटा लंबे समय तक नहीं चलता और खराब हो जाता है। अगर आटा अधिक ढीला हो जाए तो उसमें थोड़ा सूखा आटा मिला कर गूंथ लें।

आटे में लगाएं तेल

आटा गूंथते समय उसमें थोड़ा तेल या घी जरूर डालें। ऐसा करने से रोटी अधिक समय तक सॉफ्ट बनी रहती है।

आटे में गुनगुने पानी का करें इस्तेमाल

आटे को गूंथते समय पानी का इस्तेमाल होता है लेकिन नॉर्मल पानी की बजाय आप गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। इससे आटा नरम होता है। इसके अलावा दूध की मदद से भी आटा गूंथा जा सकता है।

गूंथा आटा स्टोर करने के टिप्स

ज्यादा आटा गूंथने पर अगर बच जाता है तो लोग उस फ्रिज में रख देते हैं लेकिन आटे को कभी भी फ्रिज में खुला नहीं रखें। आटे को एयर टाइट डिब्बे में भर कर रखें। आटे को रखते समय उसपर ऊपर ये घी या तेल लगा दें, फिर एयरटाइट डिब्बे में भर कर फ्रिज में रखें। इसस वह खराब नहीं होता।

नया घर बनाते समय जरूर जान लें वास्तु नियम, जीवन भर रहेंगे खुशहाल

किसी भी इंसान के लिए नया घर बनाना बहुत खुशी की बात होती है। नए घर में प्रवेश करना हर किसी के जीवन का एक खूबसूरत सपना होता है। ऐसे में घर बनाते समय हर छोटी बात का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है, इन्हीं में से एक है वास्तु के नियम। जी हां नया घर बनाते समय वास्तु नियमों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है, मसलन घर का मुख्य द्वार किसी दिशा में होगा, रसोई घर और शौचालय घर के किस हिस्से में होनी चाहिए, आदि।

दरअसल, वास्तु शास्त्र एक प्राचीन भारतीय विज्ञान है जो ऊर्जा के प्रवाह और दिशाओं के आधार पर घर में सकारात्मक वातावरण बनाने में सहायता करता है। वास्तु के अनुसार, घर का मुख्य द्वार केवल लोगों के आने-जाने के लिए नहीं, बल्कि ऊर्जा के प्रवाह के लिए भी महत्वपूर्ण होता है। घर बनाते समय वास्तु के नियमों का पालन न करने से वास्तु दोष लग सकता है, जिसका सीधा असर घर में रह रहे परिजनों पर होता है। इसलिए घर बनाते समय वास्तु नियमों का पालन करना बहुत जरूरी होता है। तो चलिए इस लेख में घर बनाते समय के वास्तु नियमों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

किस दिशा में होनी चाहिए मुख्य द्वार?

मुख्य द्वार के लिए ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) सबसे शुभ दिशा मानी जाती है, क्योंकि इस दिशा में मुख्य द्वार रखने से सुबह के सूर्य का प्रकाश घर पर पड़ता है जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसके अलावा उत्तर, पूर्व, उत्तर-पश्चिम, सबसे अच्छी दिशा मानी जाती है। इसलिए, यदि संभव हो तो, कोशिश करें कि घर का मुख्य द्वार इन्हीं दिशाओं में रखें।

किस दिशा में नहीं होना चाहिए प्रवेश द्वार?

आमतौर पर घर के प्रवेश द्वार यानी मुख्य द्वार के लिए अशुभ मानी जाती है। मगर कई बार ऐसा होता है कि ऐसी परिस्थिति बन जाती है कि मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में ही करना पड़ता है, ऐसे में नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए प्रवेश द्वार को दक्षिण-पूर्व दिशा में कर सकते हैं। इस दिशा को दक्षिणमुखी द्वार से बेहतर माना जाता है।

रसोई घर की सही दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का रसोई घर हमेशा अग्नि कोण में होना चाहिए। अग्नि कोण यानी पूर्व-दक्षिण दिशा में। जैसा कि हम जानते हैं कि रसोई घर में अग्नि का प्रयोग होता है, ऐसे में नया घर बनवाते समय रसोई घर की दिशा को अग्नि कोण में ही रखना चाहिए।

डाइनिंग हॉल की सही दिशा

वास्तु के अनुसार घर में डाइनिंग हॉल के लिए पश्चिम दिशा सबसे अच्छी मानी जाती है. इसके अलावा, डाइनिंग हाल को घर के दक्षिण-पूर्व दिशा में भी बनवा सकते हैं।

बेडरूम की सही दिशा

वास्तु सिद्धांतों के अनुसार, नए घर में बेडरूम यानी शयनकक्ष के लिए सबसे अच्छी दिशा घर का दक्षिण-पश्चिम कोना है। इस दिशा में बेडरूम का होना सबसे शुभ माना जाता है।

वायरल क्लीनिंग हैक्स बिल्कुल नहीं आते काम, भूलकर भी न करें इन्हें ट्राई

बाथरूम से लेकर किचन की सफाई तक के लिए सोशल मीडिया पर आए दिन कई क्लीनिंग हैक्स हैं, जिसमें कुछ ऐसे टिप्स भी हैं, जो बिल्कुल भी काम नहीं आते हैं। आइए हम आपको आज उन्हीं हैक्स के बार में बताते हैं। घर की साफ-सफाई के लिए सोशल मीडिया पर कई तरह के रील्स वायरल होते आपने भी देखा होगा, जिसमें हैक्स, टिप्स और ट्रिक्स बताए जाते हैं।

सिरका और बेकिंग सोडा से टॉलेट की सफाई

यह कहा जाता है कि सिरका और बेकिंग सोडा का मिश्रण नालियों को साफ करने का एक बेहतरीन तरीका है। लेकिन, यह हमेशा कारगर नहीं होता है। यह मिश्रण कुछ गंदगी को हटा सकता है, लेकिन यह ज़िद्दी गंदगी या रुकावटों को दूर नहीं कर सकता है।

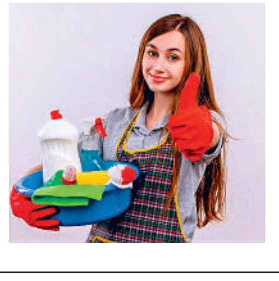

अखबार से कांच की सफाई

कुछ लोग दावा करते हैं कि कांच की सतहों को साफ करने के लिए अखबार का उपयोग किया जा सकता है। लेकिन, यह सच नहीं है। अखबार में मौजूद स्याही कांच पर धब्बे लगा सकती है।

टूथपेस्ट से सफाई

कुछ लोग दावा करते हैं कि टूथपेस्ट का उपयोग जूतों, चांदी के बर्तनों और अन्य सतहों को साफ करने के लिए किया जा सकता है। लेकिन, यह सच नहीं है। टूथपेस्ट में मौजूद घर्षण सामग्री कुछ सतहों को खरोंच सकती है।

रायपुर बाजार
Contact For Advertisement 6263818152, 7987119756

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड •GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट •MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE •फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544 D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

Trust of 44 Years
बलदेव फर्नीचर
Exclusive Furniture Showroom
मानसून ऑफर स्पेशल डिस्काउंट
सोफा
New Range Available
फर्नीचर की उत्कृष्ट श्रृंखला
गुरूनानक चौक एवं जनक बाड़ा, रायपुर 0771-4047333, 6262156666

पैसा चाहिए? हमारे पास आइए
न्यूनतम कागजी कार्यवाही
5 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन
(केवल बिजनेस लोन) एजेंट आमंत्रित
आज लोन लीजिए 100 किश्तों में पटाइये
मोटवानी फायनेंस 93404-44755
गली नं. 03, सिंधी कॉलोनी, तेलीबांधा, रायपुर

ALLFINE
ए-वन मोटर्स
इ- रिक्शॉ एवं इ-कार्गो
रायपुर में पहली बार
200 Km. माइलेज के साथ ई-रिक्शा
डाउनपेमेंट 25000 से शुरू
RAJHANS
देशबंधु प्रेस के सामने, अग्रसेन चौक के पास, रायपुर (छ.ग.) 98271 92369, 90099 77768

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'द बॉयज' की प्रशंसक हैं सुजैन, लेखकों की क्षमता से हुईं प्रभावित

हॉलीवुड अभिनेत्री सुजैन हेवर्ड अपने बेहतरीन अभिनय के लिए प्रशंसकों के बीच काफी प्रसिद्ध हैं। ड्रामा सीरीज 'ऑरेंज इज द न्यू ब्लैक' में तमिका वार्ड की भूमिका निभा चुकीं सुजैन हेवर्ड अब 'द बॉयज' के चौथे सीजन में नजर आ रही हैं। सुजैन हेवर्ड ने 'द बॉयज' के चौथे सीजन में बेहद ही शानदार भूमिका निभाई है। प्रशंसकों को उनका अभिनय काफी पसंद आया। सुजैन हेवर्ड का कहना है कि वह खुद 'द बॉयज' की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं, क्योंकि यह सुपरहीरो शैली पर पूरे तरीके से वास्तविक दुनिया की समस्याओं को दिखाया गया है। 'द बॉयज' का चौथा सीजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'द बॉयज' का पांचवां सीजन 2025 में आ सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान सुजैन ने 'द बॉयज' को लेकर अपनी राय पेश की और कहा, ह्मैं इस शो में शामिल होने से पहले इसकी बहुत बड़ी प्रशंसक रह चुकी हूं। मैं वास्तव में हमेशा एरिक (क्रिपके) और लेखकों की दुनिया में जो कुछ भी हो रहा था, उस पर प्रतिक्रिया करने की उनकी क्षमता से बेहद प्रभावित थी, या दुनिया में क्या होगा, यह भविष्यवाणी में आगे क्या होने वाला है, जैसे वे यह सब कुछ देख सकते हैं कि हमारी संस्कृति कहां जा रही है और किसी तरह हम इसे देख रहे हैं, जब यह हो रहा है या होगा।"

टॉलीवुड

'विदा मुयार्ची' में दो लुक में दिखेंगे अजित कुमार

सुपरस्टार अजित कुमार अपनी नई फिल्म 'विदा मुयार्ची' की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म तो जब रिलीज होगी तब होगी ही, लेकिन उससे पहले फिल्म निर्माता अजित कुमार के लुक साझा कर-करके दर्शकों की उत्सुकता को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। अब तक 'विदा मुयार्ची' के तीन पोस्टर सामने आ चुके हैं। तीसरे को 19 जुलाई, 2024 को जारी किया गया, जिससे एक नई बात का खुलासा हो गया है। 'विदा मुयार्ची' से अजित कुमार का जो नया लुक साझा किया गया है, उससे साफ हो गया है कि अभिनेता इस फिल्म में दो लुक में नजर आएंगे। नए पोस्टर में उनके बाल रंगे हुए है, जबकि पुराने वाले में वो सफेद बालों में दिखाई दिए थे। नए पोस्टर में उनके साथ अभिनेत्री त्रिशा भी नजर आ रही हैं। दोनों को मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है। 'विदा मुयार्ची' को फिलहाल अजरबैजान में शूट किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 23 जुलाई तक यह शेड्यूल खत्म कर लिया जाएगा। इसके बाद फिल्म की टीम भारत लौटेगी और हैदराबाद में शूटिंग शुरू होगी। खबर है कि वहां आठ दिन की शूटिंग की योजना तैयार की गई है। 'विदा मुयार्ची' का निर्देशन मगिज थिरुमेनी कर रहे हैं और उन्होंने ही इसकी कहानी भी लिखी है। फिल्म का निर्माण लाइका प्रोडक्शंस द्वारा किया जा रहा है। इसमें अजित और त्रिशा के अलावा रेजिना कैसंड्रा और अर्जुन भी अभिनय करते नजर आएंगे। फिल्म में अनिरुद्ध रविचंदर का संगीत सुनने को मिलेगा। इसकी रिलीज की तारीख को लेकर अभी घोषणा नहीं की गई है।

भोजपुरी

धमाल मचा रहा पवन का गाना 'दांते से ओढ़नी दबा के'

पवन सिंह भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार हैं फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं। उनकी कोई फिल्म या गाने के व्यूज लाखों-करोड़ों में जाते वक्त नहीं लगता है। इस बार पवन सिंह की अपकमिंग भोजपुरी फिल्म 'सूर्यवंशम' का गाना 'दांते से ओढ़नी दबा के' रिलीज किया गया है। फिल्म का ट्रेलर तो पहले ही वायरल हो चुका है और अब यह गाना भी रिलीज होते ही मिलियन्स में व्यूज बटोर रहा है। पवन सिंह के भोजपुरी गाने 'दांते से ओढ़ने दबा के' को रिलीज हुए अभी कुछ ही घंटे बीते हैं। गाना बीते 5 जुलाई को रिलीज हुआ था। इसे अब तक 10 लाख से ज्यादा लोगों ने देख लिया है। गाने में पवन सिंह का अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है, यही वजह है कि वह भोजपुरी म्यूजिक के शौकीन इस गाने का लुत्फ उठा रहे हैं। 'दांते से ओढ़नी दबा के' में पवन सिंह और अनुपमा यादव की दमदार आवाज और आस्था सिंह की दिलकश अदाएं फैंस को पसंद आ रही हैं। फिल्म सूर्यवंशम के निर्देशक रजनीश मिश्रा हैं और इसे यशी फिल्म्स (अभय सिन्हा) और रेणु विजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट द्वारा बनाया गया है। दांते ओढ़नी दबा के की म्यूजिक और लिरिक्स ऐसे हैं कि हर किसी को इसपर झूमने पर मजबूर कर देते हैं। भोजपुरी म्यूजिक प्रेमियों के बीच इस गाने की खूब चर्चा हो रही है। गाने को मिल रहे जबरदस्त प्यार से यह साफ हो गया है कि पवन सिंह की फैन फॉलोइंग कितनी तगड़ी है। बता दें कि पवन सिंह की फिल्म 'सूर्यवंशम' भी रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म सी स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें पावर स्टार पवन सिंह और आस्था सिंह के साथ शालू सिंह, चांदनी सिंह, गोपाल जी, माया यादव, अनूप अरोरा, राम सुजान सिंह, जोया खान, धामा वर्मा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के को-प्रोड्यूसर डॉ। संदीप उज्जवल और सुशांत उज्जवल हैं। इसका म्यूजिक संगीत रजनीश मिश्रा, एसबीआर और गाने प्यारेलाल यादव, रजनीश मिश्रा, विजय चौहान, रौशन सिंह विश्वास, प्रफुल्ल तिवारी के हैं।

न्यूयॉर्क का जलवा

लाइफ स्टाइल

न्यूयॉर्क फैशन वीक के सबसे अहम आयोजनों में से एक की शुरुआत बीती शाम हुई। रैम्प पर चलते मॉडल के पार्श्व में 1950-60 के दशक की याद दिलाते हुए तेज़ आवाज़ में उत्साहपूर्ण संगीत बज रहा था। वास्तव में यह सैंडी सैलिसबरी का "कम सॉफ़्टली" था, जो 1968 में रिलीज़ हुआ था। यहां नौजवान स्टूडेंट से लेकर बड़ी उम्र के भी फैशन के दीवाने मौजूद थे। यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर के डिजाइनरों ने एक से बढ़ कर एक कलेक्शन पेश किए।

बारिश में भूल से भी न करें ये गलतियां, वरना झड़ने लगेंगे बाल

बारिश के मौसम की शुरुआत हो गई है। इस मौसम में घूमना तो सबको अच्छा लगता है लेकिन बारिश का मौसम अपने साथ कई तरह की परेशानियां लेकर आता है। त्वचा का चिपचिपापन और बालों का झड़ना बारिश की मुख्य परेशानियों में से एक है। लोग अपनी त्वचा का ध्यान तो रख लेते हैं लेकिन अक्सर वो बारिश में अपने बालों का ध्यान सही से नहीं रखते, जिसकी वजह से हेयर फॉल की मात्रा बढ़ती जाती है।

बारिश के मौसम में अगर बालों का ध्यान सही से नहीं रखा जाए तो बाल काफी गंदे होने लगते हैं और झड़ने लगते हैं। गंदगी की वजह से बाल अंदर से कमजोर हो जाते हैं। ऐसे में इनका सही से ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। ज्यादातर लोग तो अनजाने में कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जिसकी वजह से उनके बाल झड़ने लगते हैं। आइए आपको भी इन गलतियों के बारे में बताते हैं ताकि आप इसे भूल से भी दोहराएं नहीं और बारिश में भी आपके बाल भी लहराते रहें।

गीले बालों को खुला छोड़ना

बारिश में भीगने के बाद बालों को खुला छोड़ने से बाल उलझ सकते हैं और टूट सकते हैं। ऐसे में गीले बालों को तुरंत सुखाने की कोशिश करें।

अधिक तेल लगाना

अक्सर लोगों को लगता है कि ज्यादा तेल लगाने से बाल मजबूत बने रहते हैं, लेकिन बारिश के मौसम में सिर पर अधिक तेल लगाने से बाल चिपचिपे हो सकते हैं और धूल और गंदगी चिपक सकती है। इससे बाल कमजोर हो सकते हैं।

बालों को साफ न करना

अगर आप नियमित रूप से बाल अच्छी तरह से धोएंगे नहीं, तो इससे भी बाल तेजी से झड़ेंगे। इसकी वजह से फंगस और बैक्टीरिया का संक्रमण हो सकता है। इसलिए बालों को नियमित रूप से धोना आवश्यक है।

गीले बालों में कंघी करना

जल्दबाजी में लोग अक्सर गीले बालों में कंघी करते हैं, जिससे हेयर फॉल होने लगता है। ऐसे में हमेशा बाल पूरी तरह सूख जाने के बाद ही कंघी करें।

हीटिंग उपकरणों का ज्यादा उपयोग

बारिश के मौसम में जितना हो सके ड्रायर, स्ट्रेटनर या कर्लिंग आयरन जैसे हीट स्टाइलिंग उपकरणों का उपयोग कम करें। ये बालों को और अधिक नुकसान पहुंचा सकते हैं।

हरियाली तीज के लिए तैयार करें अपना आउटफिट

फैशन

आज 22 जुलाई से सावन के महीने की शुरुआत हो रही है। इस पूरे महीने त्योहारों की झड़ी लगी रहती है। इन्हीं त्योहारों में हरियाली तीज भी शामिल है। सुहागिन महिलाओं के लिए हरियाली तीज का त्योहार काफी महत्वपूर्ण होता है। कई जगह सुहागिन महिलाओं के साथ-साथ कुंवारी कन्याएं भी यह त्योहार मनाती हैं। इस दिन सुहागिन महिलाएं 16 श्रृंगार करके हाथों में मेहंदी रचाती हैं और पूजा-अर्चना करती हैं।

हरियाली तीज का दिन उन महिलाओं के लिए भी बेहद खास होता है, जिनकी हाल ही में शादी हुई है। यदि आप भी उनमें से एक हैं, जो सालभर से इस त्योहार का इंतजार कर रही थीं और अब सजने के लिए कुछ आइडियाज ढूंढ रही हैं, तो परेशान न हों, ये खबर आपके लिए है। अगर आप भी हरियाली तीज पर खूबसूरत दिखना चाहती हैं, तो अपने लिए आउटफिट अभी से तैयार कर लें। आउटफिट खरीदने से पहले की जान लें कि आजकल ट्रेंड में क्या है?

साड़ी : हर महिला को साड़ी पहनना तो काफी पसंद होता है। साड़ी एक ऐसा परिधान है, जिसे आप किसी भी त्योहार के दिन बेझिझक पहन सकती हैं। ऐसे में हरियाली तीज के दिन हरे रंग की साड़ी पहनकर आप अपना खूबसूरत अंदाज दिखा सकती हैं।

अनारकली सूट : अगर साड़ी पहनने का मन नही है तो आप अनारकली सूट भी पहन सकती हैं। किसी भी कार्यक्रम के लिए अनारकली सूट काफी सही विकल्प माना जाता है। अपने पसंदीदा रंग का अनारकली सूट पहनकर आप तीज के दिन अपना जलवा बिखेर सकती हैं।

शरारा सूट : बहुत सी महिलाओं को शरारा सूट काफी पसंद होता है। ये आजकल काफी चलन में भी है। ऐसे में आप बिना सोचे-समझे अपने लिए शरारा सूट तैयार करा सकती हैं। आपको बाजार में कई तरह के रेडीमेड शरारा भी मिल जाएंगे।

लहंगा : अगर शादी के बाद पहली हरियाली तीज है तो अपने लिए लहंगा ही तैयार करें। नई दुल्हनों के ऊपर लहंगा या साड़ी ही ज्यादा जचती है। आपको बाजार में हल्के और भारी दोनों ही तरहों के लहंगे आसानी से मिल जाएंगे।

गाउन : इस तरह का गाउन भी आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करेगा। आप चाहें तो ऐसा फ्लोरल हरे रंग का गाउन भी अपने लिए तैयार करवा सकती हैं। अगर आपको ये रेडीमेड न मिले

घर पर बनाएं ओरिजिनल फूल से इयररिंग्स, जानें तरीका

ज्वेलरी पहनना हम सभी को पसंद होता है। इसलिए हम अक्सर इसके लिए अलग-अलग डिजाइन की ज्वेलरी को सर्च करते हैं, ताकि उन्हें अपनी कलेक्शन में शामिल कर सके। साथ ही, जब भी कहीं जानें के लिए तैयार हो तो उस ज्वेलरी को वियर कर सके। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि जो ज्वेलरी हमें चाहिए होती है वो बहुत कम मिलती है। इसके लिए आप घर में लगने वाले फूलों का इस्तेमाल करके भी अपने लिए लेटेस्ट डिजाइन वाले इयररिंग्स को तैयार कर सकती हैं। इसके लिए आप फ्लावर बुके में लगे फूलों का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। इस आइडिया को टीवी एक्ट्रेस श्वेता महादिक ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। उन्होंने बताया कि कैसे आप इसे घर पर तैयार कर सकती हैं। इयररिंग्स बनाने के लिए फ्लावर, पर्ल-लटकन,इयररिंग्स हुक,यूवी रेजिन और यूवी लाइट का करें इस्तेमाल।

इयररिंग्स बनाने का तरीका

इसे बनाने के लिए आपको पहले फूलों को प्रिजर्व करके रखना होगा। इसके बाद आपको इसे यूवी रेजिन के लिक्विड में डालना है।इसके बाद यूवी लाइट से अच्छे से सूखने देना है।इससे यह बिल्कुल ठोस हो जाएगा।अब आपको इसमें एक ड्रिल करना है। फिर इसमें नीचे की तरफ एक मोती एड करना है।इसमें ऊपर की तरफ इयररिंग्स हुक लगाना है।इस तरीके से आपके इयररिंग्स बनकर तैयार हो जाएगे।

इन फूलों से बना सकती हैं इयररिंग्स : आप घर पर गुलाब के फूल से इयररिंग्स बना सकती हैं। गेंदे और ऑर्केट फ्लावर का इस्तेमाल करके भी इयररिंग्स को तैयार कर सकती हैं। इससे आपको बाजार से जाकर फूल वाले इयररिंग्स को लाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसकी जगह पर आप इसमें लगने वाली और एक्सेसरीज को लाकर इसे सुंदर बना सकती हैं। आप चाहें तो उसने ड्रॉप इयररिंग्स और हूप्स दोनों तरह के इयररिंग्स बना सकती हैं।

आजकल चलन में हैं टोट बैग, बने लड़कियों की पहली पसंद

छोटे पर्स या बैग एक बार फिर फैशन में लौट आए हैं। ये सुविधाजनक हैं और समय के साथ भी। क्या आप गर्मियों के मौसम में रोजमर्रा के इस्तेमाल और ऑफिस जाने के लिए स्टाइलिश हैंडबैग की तलाश कर रही हैं? अगर हां तो क्यों न आप अपने स्टाइल में स्टाइलिश टोट बैग को शामिल करें। ये बैग आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं, क्योंकि वर्तमान में टोट बैग काफी लोकप्रिय हैं और खूब पसंद भी किए जा रहे हैं, खासकर लड़कियों के बीच।

क्या है टोट बैग: टोट बैग एक बड़ा बैग होता है, जिसमें चौड़ा मुंह और समानांतर हैंडल होते हैं। इस समय यह बैग अधिकतर वही महिलाएं चुन रही हैं, जो फैशन और उपयोगिता का सही मिश्रण चाहती

हैं। टोट बैग को किसी भी अवसर पर कैरी किया जा सकता है, क्योंकि यह दिखने में आकर्षक और बेहद उपयोगी है। इसमें आप लैपटॉप से लेकर अपनी जरूरत के कई तरह के सामान को रख सकती हैं।

बेहद खास : टोट बैग की खासियत यह है कि ये टिकाऊ होते हैं और अधिक वजन उठा सकते हैं। वहीं अधिकतर टोट बैग को कॉटन या नायलॉन से बनाया जाता है, जिस कारण ये पर्यावरण अनुकूल होते हैं। टोट बैग लंबे समय तक उपयोग करने, धोने योग्य और मजबूत होते हैं। यदि आप एक पर्यावरण-अनुकूल बैग की तलाश में हैं, जो आपकी खरीदारी को भी आसान बनाए, तो टोट बैग एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं।

सुविधाजनक : कैनवस और लेदर टोट बैग भी अच्छे विकल्प हैं। आप अपने मौजूदा पर्स या हैंडबैग की जगह इनमें से किसी एक का उपयोग कर सकती हैं। टोट बैग चुनने का मुख्य कारण यह है कि ये फैशन के साथ-साथ उपयोगिता भी प्रदान करते हैं, जिसमें आप बिना किसी समझौते के अपनी जरूरत की हर चीज ले जा सकती हैं।

कार्नर न्यूज

मानसून में घूमने के दौरान अपनी त्वचा का रखें खास खयाल

बारिश के मौसम में घूमने का अपना अलग ही मजा होता है। हम जब भी घूमने जाते हैं तो जगह के हिसाब से कपड़े अपने साथ रख लेते हैं लेकिन त्वचा का ध्यान रखने के लिए हमारे पास प्रोडक्ट नहीं होते। जबकि ये आपको पता होना चाहिए कि हर जगह के मौसम में काफी अंतर होता है, जिसका असर आपकी त्वचा पर पड़ता है। बदलते मौसम की वजह से और लगातार सफर करने की वजह से त्वचा काफी डल होने लगती है। अगर आप सफर के समय अपनी त्वचा का ध्यान नहीं रखेंगे तो तस्वीरों में भी आपकी त्वचा डल दिखाई देगी। ऐसे में आपको यह पता ना बहुत जरूरी है कि बारिश के मौसम में सफर करते वक्त आपके कौन-कौन से स्किन केयर प्रोडक्ट अपने साथ रखने हैं।

बारिश में ट्रिप पर जाने का है प्लान तो अपने साथ जरूर रखें ये स्किन केयर प्रोडक्ट

क्लींजर और फेस वॉश

इस मौसम में चेहरे को साफ रखना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में अपने लिए हल्का और जेंटल क्लींजर चुनें जो त्वचा को साफ रखे और अतिरिक्त तेल को हटाए। एक फेस वॉश को भी अपने साथ लेकर जाएं।

मॉइस्चराइजर

अपनी त्वचा के हिसाब से ही एक मॉइस्चराइजर बैग में जरूर रखें जो त्वचा को हाइड्रेट रखे। ध्यान रखें कि ये चिपचिपा नहीं होना चाहिए।

सनस्क्रीन

बारिश में भी पराबैंगनी (अल्ट्रावायलेट) किरणें आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं, इसलिए वॉटर-रेसिस्टेंट सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। चाहें को जेल बेस्ड सनस्क्रीन का इस्तेमाल भी आप कर सकती हैं।

टोनर

सफर में आपके पास एक एंटी-बैक्टीरियल और पोर्स टाइटनिंग टोनर जरूर होना चाहिए। ये आपकी त्वचा को ताजगी और स्फूर्ति देता है।

ब्लॉटिंग पेपर्स

इस उमस भरे मौसम में बहुत से लोगों को पसीना काफी ज्यादा आता है। ऐसे में ये पेपर्स आपकी त्वचा के अतिरिक्त तेल को हटाने के लिए काम आएंगे।

लिप बाम

होठों को हाइड्रेट और सुरक्षित रखने के लिए मॉइस्चराइजिंग लिप बाम आपके पास जरूर होना चाहिए।

एंटी-बैक्टीरियल वाइप्स

चेहरे को तरोताजा रखने के लिए आपके पास वाइप्स जरूर होनी चाहिए। ये उस वक्त भी आपके काम आएगी, जब आपको चेहरा धोने का वक्त नहीं मिलेगा।